mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-57 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

सतना
27 फरवरी 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

धोनी जैसा करिश्माई...

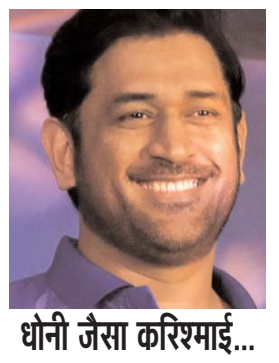

@ पेज 7

‘दोषी सांसदों के चुनाव लड़ने पर न लगाया जाए आजीवन प्रतिबंध’

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दोषी सांसदों और विधायकों के चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए बैन लगाने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज जवाब दिया है। केंद्र

● केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

सरकार ने जवाब देते हुए कोर्ट से कहा कि आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेतओं पर चुनाव लड़ने के लिए आजीवन प्रतिबंध लगाना कठोर होगा। केंद्र सरकार ने इस दौरान मौजूदा कानून की वकालत की और इसे ही आगे जारी रखने की बात कही है। शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने कहा कि याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह विधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह से परे है।
हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा कि सवाल है कि आजीवन प्रतिबंध लगाना सही होगा या नहीं। यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। इतना ही नहीं हलफनामे में यह दलील भी दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वह साफ रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं, तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के अलावा देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के त्वरित निस्तारण का अनुरोध किया है। अपने हलफनामे में, केंद्र ने रेखांकित किया कि शीर्ष अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। हलफनामे में कहा गया है कि उक्त धाराओं के तहत घोषित की जाने वाली अयोग्यताएं संसदीय नीति का विषय हैं और आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त नहीं होगा। केंद्र ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के मामले में, न्यायालय प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, हालांकि, याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत में अधिनियम की धारा 8 की सभी उप-धाराओं में ''छह वर्ष'' के प्रावधान को ''आजीवन'' पढ़े जाने का अनुरोध किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में चार्टर्ड बस पलटने से 18 लोगों की मौत

बैंकाक (एजेंसी)। पूर्वी थाईलैंड में भीषण सड़क हादसे ने कई लोगों की जान ले ली है। बताया जा रहा है कि बुधवार तड़के एक चार्टर्ड बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे 18 लोगों की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है,

जिनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बनी है। जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना प्राचीनबुरी प्रांत में हुई। ये लोग उत्तरी थाईलैंड से नगर निकाय संबंधी अध्ययन दौरे के लिए तटीय रेयोग प्रांत की यात्रा पर रहे थे। भूमि परिवहन विभाग ने कहा कि वह सड़क दुर्घटना की जांच में पुलिस के साथ समन्वय करेगा तथा सभी सार्वजनिक परिवहन वाहनों का निरीक्षण तेज करेगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सुरक्षा मानकों को पूरा करें। थाईलैंड में सड़क दुर्घटनाएं बेहद आम हैं। यहां सड़क सुरक्षा एक बड़ी समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मौत के मामले में थाईलैंड 175 सदस्य देशों में नौवें स्थान पर है। इससे आप थाईलैंड में रोजाना होने वाली दुर्घटनाओं का अंदाजा लगा सकते हैं। थाईलैंड में बहुत से लोग पर्यटन के लिए आते हैं। अक्सर सड़क दुर्घटनाओं में उन्हें भी अपनी जान गंवानी पड़ती है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के 5 व्यक्तियों को जेल के साथ मिली बेंत मारने की सजा

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर में भारतीय मूल के 5 लोगों को सजा के साथ उन्हें गिनकर बेंत मारने का आदेश भी सुनाया गया है। बता दें कि इन लोगों को सिंगापुर के एक होटल में पूर्व 'बाउंसर' की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। इसके बाद पांच लोगों को दो से तीन साल की जेल और बेंत मारे जाने की सजा सुनाई गई। श्रीधरन एलंगोवन को 36 महीने की जेल व छह बेंत, मनोजकुमार वेलयानाथम को 30 महीने की जेल व चार बेंत, शशिकुमार पाकिरसामी को 24 महीने की जेल व दो बेंत, पुथेनविला कीथ पीटर को 26 महीने की जेल व तीन बेंत और राजा ऋषि को 30 महीने की जेल व चार बेंत मारे जाने की सजा सुनाई गई। 'चैनल न्यूज' की खबर के अनुसार, इन सभी ने 2023 में सिंगापुर के कॉनकॉर्ड होटल और शॉपिंग मॉल में दंगा करने के आरोप स्वीकार किए। श्रीधरन (30), मनोजकुमार (32) और शशिकुमार (34) एक समूह के सदस्य थे। एक अन्य व्यक्ति, 30 वर्षीय अश्विन पचन पिल्लई सुकुमारन पर पहले हत्या का आरोप लगाया गया था, जिसने कथित तौर पर 29 वर्षीय पूर्व बाउंसर मोहम्मद इशरत मोहम्मद इस्माइल की हत्या कर दी थी। भारतीय मूल के इस व्यक्ति का मामला लंबित है। इशरत और उसका दोस्त मुहम्मद शाहरुल निजाम उस्मान (30), 'क्लब रयूमर्स' में बाउंसर और एक अन्य समूह के सदस्य थे।

बिहार के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाली केंद्रीय विद्यालय की शिक्षिका पर कार्रवाई

पटना (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर बिहार की एक शिक्षिका का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षिका बिहार और बिहार के लोगों के बारे में आपत्तिजनक बयान देते दिखाई दे रही है। जानकारी के मुताबिक, शिक्षिका की तैनाती बिहार के जहानाबाद जिले में केंद्रीय विद्यालय में हुई जिससे वह नाराज थी। बिहार के बारे में गलत बातें बोलने का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों का गुस्सा भड़क उठा। लोग शिक्षिका पर कार्रवाई की मांग करने लगे। वहीं, अब शिक्षिका के ऊपर प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है।

बिहार को लेकर आपत्तिजनक बयान देने वाली महिला शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है। जिला प्रशासन, जहानाबाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा- ÷सोशल मीडिया सुश्री दीपाली द्वारा बिहार वासियों को अंग्रेजी में अपशब्द प्रयोग कर, बिहारियों के सम्मान को आघात पहुंचाने की कोशिश की गई। परिप्रेक्ष्य में कार्यवाहक उपायुक्त द्वारा ÷तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक सुश्री दीपाली÷ को निलंबित किया गया हैजिला प्रशासन की ओर से जारी किए गए नोटिस में कहा गया है- सुश्री दीपाली, प्राथमिक शिक्षिका (परिवीक्षाधीन), केंद्रीय विद्यालय, जहानाबाद को केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 10 उप नियम 1 (क) के उपबंध के अनुसार तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित किया जाता है। यह कि, यह भी आदेशित है कि निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय केंद्रीय विद्यालय, मशरक होगा। सुश्री दीपाली, प्राथमिक शिक्षिका (परिवीक्षाधीन), प्राचार्य के.वि. मशरक से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगी।

किताबों में छिपाई गई थी

छात्राओं के पास कहां से आई 3.5 करोड़ रुपये की फॉरेन करंसी?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने खुफिया जानाकारी के आधार पर एक हवाला रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह रैकेट विदेश यात्रा करने वाले छात्रों का इस्तेमाल फॉरेन करंसी की तस्करी के लिए किया जा रहा था। जांच में पता चला कि छात्राओं के बैग में किताबों के बीच फॉरेन करंसी छिपाई गई थी। अधिकारियों ने इन 3 छात्राओं में पास से कुल 4,00,100 अमेरिकी डॉलर जब्त किये जिसकी कुल कीमत लगभग 3.5 करोड़ रुपये है।ऽढ्ढ
सूत्रों ने बताया कि इस मामले में पुणे स्थित ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल और मुंबई स्थित फॉरेक्स डीलर मोहम्मद आमिर को गिरफ्तार किया गया है।
सूत्रों ने बताया कि जब छात्राओं से पूछताछ की गई तो पता चला कि उन्हें कुछ दस्तावेज दुबई में एक कार्यालय तक पहुंचाने के लिए दिए गए थे। छात्राओं को यह नहीं पता था कि उनके बैग में फॉरेन करंसी छिपाई गई है। 17 फरवरी को कस्टम विभाग को खुफिया सूचना मिली

थी जिसके आधार पर उन्होंने अपने दुबई के अधिकारियों को सतर्क किया और पुणे से दुबई जा रहे 3 छात्राओं पर नजर रखी। उनकी भारत वापसी पर कस्टम अधिकारियों ने उनके बैग की तलाशी ली और छुपाई गई फॉरेन करंसी बरामद की। छात्राओं ने कस्टम अधिकारियों को बताया कि बैग उनकी ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल के थे। छात्राओं ने बताया कि अग्रवाल ने पुणे से उड़ान भरने से ठीक पहले उन्हें 2 बैग सौंपे और कहा कि उनमें उनके दुबई दफ्तर के लिए जरूरी दस्तावेज हैं। छात्राओं को इस बात की जानकारी नहीं थी कि बैग में फॉरेन करंसी रखी गई थी। अधिकारियों ने इसके बाद मुंबई के फोर्ट इलाके में स्थित एक फॉरेक्स फर्म पर छापा मारा, जहां से 45 लाख रुपये कीमत की फॉरेन करंसी बरामद हुई और तस्करी में शामिल मोहम्मद आमिर नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया। पुणे, मुंबई और अहमदाबाद के कस्टम अधिकारियों की टीम ने एक जॉइंट ऑपरेशन में तीनों शहरों में 10 लोकेशन पर एक साथ छापेमारी की।

गाजियाबाद में इलेक्ट्रिक बस ने लोगों को रौंद डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से दिल दहला देने वाली हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां मसूरी थाना क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक बस ने अचानक से लोगों को रौंद डाला है। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 4 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। मरने वालों में एक महिला और एक बच्ची शामिल है। जानकारी के मुताबिक, बस ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया है। दरअसल, सड़क हादसे की ये दर्दनाक घटना गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में ह्व। 9 के अंडरपास पर हुई है। जानकारी के मुताबिक, हादसे के समय इलेक्ट्रिक बस स्टार्ट थी और स्टॉप पर खड़ी थी। अचानक बस चल पड़ी और उसने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया। ये भी बात सामने आई है कि हादसे के वक्त बस का ड्राइवर भी बस में मौजूद नहीं था। इलेक्ट्रिक बस की चपेट में आने से महिला और बच्ची की मौत हो गई और वहीं 4 लोग घायल भी हो गए। इस घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने बस में तोड़फोड़ की है। इसके बाद बस को पुलिस की मौजूदगी में मौके से हटाया गया है।

अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

बोले- वह शराब घोटाले के सरगना हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने की अटकलों पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बयान दिया है। अनुराग ठाकुर ने कहा, %पंजाब सरकार रिमोट कंट्रोल से चलती है। इसलिए मैं पंजाब के लोगों से पूछना चाहता हूं, क्या आप चाहते हैं कि रिमोट कंट्रोल से राज्य चलाने वाले अरविंद केजरीवाल पंजाब से सांसद बनें?% वहीं दिल्ली विधानसभा में सीएजी की रिपोर्ट बीते दिनों पेश की गई। इस मामले पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, ÷मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि 14 सीएजी रिपोर्ट को विधानसभा में पेश होने से रोका गया। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल चाहते थे कि उनका भ्रष्टाचार दुनिया के सामने न आए और इस पर चर्चा न हो। उन्होंने कहा कि अब यह दुनिया के सामने आ गया है और दिल्ली विधानसभा में पेश किया गया है। पीएम मोदी ने कहा था कि हम सत्ता में आने के बाद रिपोर्ट पेश करेंगे और सीएम रेखा गुप्ता ने ऐसा किया है। अब यह साफ हो गया है कि शराब घोटाले के सरगना अरविंद केजरीवाल हैं। अपनी छवि बचाने के लिए वे अपने राज्यसभा सांसदों से उनके घर खाली करवा रहे हैं और पिछले दरवाजे से राज्यसभा में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दिल्ली भाजपा के

अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस मामले पर बीते दिनों कहा कि सीएजी की यह रिपोर्ट अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के काले कारनामें को उजागर करती है। इसमें बताया गया है कि कैसे आप ने दिल्ली की जनता को लूटा और ठगा है। कैसे उन्होंने रिहायशी और धार्मिक स्थलों पर दुकानें खोलीं। वहीं इस मामले पर बोलते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, %दिल्ली चुनाव से पहले भाजपा ने दिल्ली की जनता से वादा किया था। पारदर्शिता और जवाबदेही की उस प्रक्रिया के तहत, भ्रष्टाचार विरोधी योद्धाओं का चोला पहनकर भ्रष्टाचार करने वाले सभी लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा।

पॉडकास्ट विवाद पर शशि थरूर ने तोड़ी चुप्पी

मैं अभी भी विवाद को नहीं समझ पाया हूं!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर बीते दिनों एक पॉडकास्ट में गए थे, जहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी में अपने रहने को लेकर एक बयान दिया था। इस मामले ने जब तूल पकड़ा तो आज कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, आप सभी ने पॉडकॉस्ट सुन लिया है, विवाद किस बारे में था? मैं अभी भी विवाद को नहीं समझ पाया हूं। अब जब आपने पूरा पॉडकास्ट सुन लिया है, तो क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आपका सवाल क्या है, मुझे जवाब देने में खुशी होगी। यह एक पॉडकास्ट है, जीवन और खुशी की खोज के बारे में हमने 45 मिनट बातचीत की। इसमें किसी राजनीतिक विवाद के बारे में कुछ खास नहीं है। शुक्रवार को पार्टी की बैठक बुलाई है, मैं वहां बाकी सभी के साथ रहूंगा। बता दें कि बीते दिनों कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करने को लेकर अपना बचाव करते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए बात की। उन्होंने कहा कि हम हमेशा केवल पार्टी

हित के संदर्भ में बात नहीं कर सकते। पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि मोदी की अमेरिका यात्रा से भारतीय लोगों के लिए कुछ सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि इस यात्रा में कुछ सवाल अनुत्तरित रह गए, जैसे कि अवैध अप्रवासियों को भारत वापस कैसे लाया गया, इस मुद्दे पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा, ÷क्या प्रधानमंत्री मोदी ने बंद दरवाजों के पीछे इस मुद्दे को उठाया? कूटनीति में, सब कुछ सार्वजनिक रूप से नहीं रखा जाता।÷ अगले नौ महीनों में व्यापार और शुल्क पर वार्ता आयोजित करने के समझौते का स्वागत करते हुए, थरूर ने कहा, ÷यह वाशिंगटन द्वारा जल्दबाजी में और एकतरफा तरीके से हम पर शुल्क लगाने से कहीं बेहतर है, जिससे हमारे निर्यात को नुकसान हो सकता था।

‘राहुल गांधी और उद्धव का बहिष्कार करें हिंदू वोटर्स’

ऐसा क्यों बोले रामदास आठवले?

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर बड़ा हमला बोला है। आठवले ने कहा है कि उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी ने महाकुंभ में न जाकर हिंदुत्व का अपमान किया है। रामदास आठवले ने आगे ये भी कहा है कि हिंदू मतदाताओं को उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी का बहिष्कार करना चाहिए। भाजपा की सहयोगी रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख रामदास आठवले ने कहा- ''ठाकरे हिंदुत्व के बारे में बात करते हैं, लेकिन उन्होंने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में भाग नहीं लिया। ठाकरे और गांधी परिवार ने महाकुंभ में भाग न लेकर हिंदुत्व का अपमान किया है। हिंदू होना और महाकुंभ में शामिल न होना हिंदुओं का अपमान है और हिंदुओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।''
केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा- ÷लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेना चाहिए था। वे हमेशा हिंदू वोट चाहते हैं, इसके बावजूद वे महाकुंभ में शामिल नहीं हुए। मुझे लगता है कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।'' रामदास आठवले ने कहा कि बीते साल नवंबर महीने में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हिंदू मतदाताओं ने इन नेताओं को सबक सिखाया है।
बता दें कि महाकुंभ 2025 में अब तक भारत समेत दुनियाभर के 66 करोड़ से भी ज्यादा लोगों ने गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी 2025 को हुई थी। वहीं, इसका समापन आगामी 26 फरवरी 2025 को होगा।

पुणे में सरकारी बस में 26 साल की युवती से रेप

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक खड़ी बस में 26 साल की युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार की घटना सामने आई है। पुलिस ने आरोपी का नाम भी उजागर कर दिया है और उसे पकड़ने की कोशिश में जुटी हुई है। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता जब सुबह बस पकड़ने का इंजतार कर रही थी तब उसके साथ ये दिल दहला देने वाली घटना हुई है। पुणे पुलिस ने युवती के साथ दुष्कर्म की घटना के बारे में जानकारी साझा की है। पुलिस के मुताबिक- ÷एक कामकाजी महिला अपने घर वापस जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। इस दौरान एक शख्स आया और महिला से कहा कि आपके घर की बस कहीं और खड़ी कर दी गई है। वह महिला को खड़ी बस के पास ले गया और फिर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की हालत फिलहाल स्थिर है। पुलिस ने युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी का नाम दत्तात्रय रामदास गाडे बताया है। क्क्रञ्ढ ने पुलिस के मुताबिक जानकारी दी है कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड है। स्वरगेट पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी और चेन छीनने के मामले दर्ज हैं।

एनएमसी के फैसले से फैकल्टी संकट गहराया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज पहले से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं, एनएमसी के नए नियमों ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। एनएमसी ने मेडिकल एमएससी और पीएचडी डिग्रीधारकों के लिए फैकल्टी सीटें घटा दी हैं। एनाटॉमी, बायोकेमेस्ट्री और फिजियोलॉजी में एमएससी/पीएचडी शिक्षकों की सीमा 30त्न से घटाकर 15त्न कर दी गई है, जबकि माइक्रोबायोलॉजी और फार्माकोलॉजी में नियुक्तियां पूरी तरह खत्म कर दी गई हैं। नेशनल मेडिकल एमएससी टीचर्स एसोसिएशन (एनएमएमटीए) ने कहा कि इस पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। मेडिकल शिक्षा को इससे नुकसान होगा। एनएमएमटीए के सचिव डॉ. अयान कुमार दास का कहना है कि कम अंक वाले छात्रों को दाखिला देने के बजाय सरकार को मेडिकल एमएससी/पीएचडी शिक्षकों की संख्या बढ़ानी चाहिए, जिससे छात्रों को मजबूत अकादमिक आधार मिल सके। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो 2025 तक बढ़कर 780 हो गए हैं। एमबीबीएस सीटें भी 51,348 से बढ़कर 1,18,135 हो गई हैं। लेकिन शिक्षकों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं हुए।

नए शहर से पुराने शहर की हवा ज्यादा साफ, वजह- साफ सड़कें और फाउंटेन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इन दिनों नए शहर के मुकाबले पुराने शहर की हवा ज्यादा साफ है। एयरपोर्ट रोड से लेकर वीआईपी रोड तक सड़कें सुधरने और बड़े तालाब समेत इलाके में 10 फाउंटेन लगाने का फायदा यह हुआ कि इस क्षेत्र का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 90 पर पहुंच गया है। बीते साल इसी क्षेत्र में 24 फरवरी को एक्यूआई 110 रिकॉर्ड किया गया था। नए शहर में भी पिछले साल की तुलना में प्रदूषण कम हुआ है, लेकिन उसका स्तर अभी पुराने शहर से अधिक बना हुआ है। सोमवार को टीटी नगर का एक्यूआई 108 रहा। हालांकि, पिछले साल से यह भी 10 प्रतिशत कम है। एमपीपीसीबी के रीजनल डायरेक्टर बृजेश शर्मा ने बताया कि सड़कों की मरम्मत, धूल हटाने, और फाउंटेन से यह बदलाव आया है।

छुट्टी के दिन भी खुलेंगे रजिस्ट्री ऑफिस, सिर्फ होली पर बंद रहेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधिक राजस्व जुटाने के लिए पंजीयन कार्यालय छुट?टी के दिन भी खोले जाएंगे। 20 फरवरी को जारी आदेश में कहा गया था कि शनिवार और रविवार समेत होली पर भी रजिस्ट्री कार्यालय खुले रहेंगे। अब 24 फरवरी को महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर ने नए आदेश जारी किए हैं। इसके अनुसार हर शनिवार और रविवार के अलावा छुट्?टी के दिन भी जिला मुख्यालय पर स्थित सभी उप पंजीयक एवं सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक/जिला पंजीयक कार्यालय पंजीयन एवं शासकीय कार्य के लिए खुले रहेंगे। सिर्फ 14 फरवरी (होली) को ऑफिस बंद रहेंगे।

आरजीपीवी में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच पूरी, समिति ने माना- कई महत्वपूर्ण सुविधाएं नहीं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में निर्माण कार्य अधूरा होने और डीपीआर अनुसार डेवलप नहीं होने के मामले में जांच कमेटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कई खामियों को उजागर किया है। तीन सदस्यों की कमेटी ने अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंप दी है। कमेटी ने निरीक्षण में पाया कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कई महत्वपूर्ण सुविधाएं अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इस मामले को 24 दिसंबर के अंक में प्रमुखता से उजागर किया था। एबीवीपी ने विवि का घेराव कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग उठाई। मामले में विवि के संपदा अधिकारी सबूर खान को निलंबित किया जा चुका है। हालांकि, अभी इस मामले में और कौन-कौन दोषी है, इसको लेकर विस्तृत जांच होना बाकी है। गौरतलब है कि इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए शुरुआती अनुमानित लागत 16.50 करोड़ रुपए थी। इसे रिवाइज्ड कर 19.16 करोड़ किया और सीपीए (वर्तमान में पीडब्ल्यूडी) को 23.52 करोड़ का भुगतान किया गया।

बिजली का स्टाफ और वाहन अलग होंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के 60 साल पुराने गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में बिजली का इंफ्रास्ट्रक्चर बदलने की योजना तैयार हो चुकी है। यहां 45 सर्किट किलोमीटर नई बिजली लाइन बिछेगी, 33/11 केवी क्षमता का नया सब स्टेशन बनेगा और 12 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे। साथ ही 8 पावर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ाई जाएगी। इस औद्योगिक क्षेत्र के लिए बिजली कंपनी का समर्पित स्टाफ और 2 वाहन उपलब्ध रहेंगे। इस प्रोजेक्ट पर 31 करोड़ रुपए का खाका तैयार किया गया है। यहां से बिजली कंपनी को हर साल 6 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति होती है। वर्तमान में इस क्षेत्र में 1150 छोटी-बड़ी इंडस्ट्रीज हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश के हर औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष योजना बनाई गई है।

गेहूँ खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें-खाद्य मंत्री श्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देश दिये हैं कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 के गेहूँ उपार्जन की अवधि के दौरान उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए सभी पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह निर्देश मंत्रालय में रबी उपार्जन नीति की समीक्षा के दौरान दिये। श्री राजपूत ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए छाया की सुविधा के लिए शेड लगवाएं जाएं तथा पीने के पानी, प्रतीक्षा कक्ष, दरियां, टेबल, कुर्सी तथा शौचालय आदि का पर्याप्त प्रबंध करें। उन्होंने निर्देश दिये कि समिति स्तर पर पर्याप्त बिजली की सुविधा, हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, इलेक्ट्रॉनिक उपार्जन उपकरण तथा किसानों की जानकारी के लिए सूचना पटल पर उपार्जन संबंधी जानकारी प्रदर्शित करें। श्री राजपूत ने निर्देश दिये कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाएं ताकि गेहूँ खरीदी केन्द्रों तक अधिकतम पंजीकृत

किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को गेहूं उपार्जन के बाद जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में गेहूँ खरीदी का कार्य 1 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा जो 18 अप्रैल तक चलेगा।

वहीं शेष संभागों में 17 मार्च से 5 मई 2025 तक गेहूँ खरीदी का कार्य उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से किया जाएगा।प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि अभी तक 2 लाख 91 हजार से अधिक किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है। उन्होंने बताया कि इस बार मध्यप्रदेश में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन का अनुमान है। बैठक में आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने बताया कि गेहूँ उपार्जन में स्लाट बुकिंग के लिए लघु और सीमांत किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि खरीदी के लिए किसानों को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी उपयोग किया जाएगा। इस दौरान विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिलेगा पारितोषिक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में अब बिजली चोरी की रोकथाम के चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने में विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि अब आउटसोर्स कर्मचारियों को भी दी जायेगी। वर्तमान में विभागीय दायित्वों का निर्वहन आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा भी किया जा रहा है। विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के उपरांत बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपियों से जुर्माने की राशि वसूली में, सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से नियुक्त आउटसोर्स कर्मचारी महत?वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जांच एवं वसूली के कार्य में सम्मिलित आउटसोर्स कर्मचारियों को भी परितोषिक योजनान्तर्गत 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

बिजली चोरी की जुर्माना राशि वसूली का भुगतान निश्चित अवधि में अर्धवार्षिक अथवा वार्षिक आधार पर दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि नियमित अथवा संविदा कर्मियों को योजना के प्रारंभ से ही 2.5 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती रही है। किन्तु, अब कंपनी विद्युत की चोरी की प्रभावी रोकथाम और अवैध उपयोग को रोकने के लिए इस योजना में आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ ही कोई भी सामान्य नागरिक बिजली चोरी की सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाइल पर दे सकता है। इसके लिये हाल ही में कंपनी की वेबसाईट पर ऑनलाईन सूचना देने की व्यवस्था भी की गई है। बिजली चोरी की सफल सूचना देने वाले को चोरी की क्षतिपूर्ति की पूर्ण राशि जमा होने पर, बिल की राशि के दस प्रतिशत की राशि को पारितोषिक राशि के रूप में दिये जाने का प्रावधान किया गया है। योजना के अंतर्गत सूचनाकर्ता के संबंध में जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जायेगी। इस योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय, वृत्त स्तर के अधिकारियों को जो शिकायतें प्राप्त होती है, उन शिकायतों पर तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के लिये कंपनी मुख्यालय के द्वारा सतत रूप से निगरानी रखी जाती है। बिजली चोरी की सूचना फर्म, एजेंसी, संगठन भी दे सकते हैं।

भारत, वैश्विक निवेश के लिये प्रतिनिधि देश है- जैकलीन मुकन्गिरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत वैश्विक निवेश के लिये प्रतिनिधि देश है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विशेष रूप से मध्यप्रदेश में हर क्षेत्र में निवेश के लिये असीम संभावनाएं बनी हैं। जुलाई 2018 में प्रधानमंत्री श्री मोदी रवांडा आए थे। उसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार, वाणिज्य, उद्योग में सहभागिता बढ़ी है। दोनों देशों के मधुर संबंध है। रक्षा, कृषि, अधोसंरचना के क्षेत्र में अधिक संभावनाएं है। रवांडा के राष्ट्रपति ने भी 5 बार भारत की यात्रा की है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मैं आभारी हूँ कि उन्होंने हमें आमंत्रित कर हमारे देश का सम्मान बढ़ाया है। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के दूसरे दिन मंगलवार को कंट्री सेशन में रवांडा प्रतिनिधि सुश्री जेकलीन मुकन्गिरा ने ये विचार व्यक्त किये। सत्र के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रशंसा की तथा कहा कि हमारा देश भारत और मध्यप्रदेश के साथ व्यापार, वाणिज्य एवं औद्योगिक संबंधों को आगे बढ़ाना चाहता है। सत्र में 9 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें नार्वे, जिम्बाब्वे, थाईलेंड, नेपाल, रवांडा, पोलेंड, लूसोथो, फिजी और साउथ अफ्रीका के प्रतिनिधि शामिल हुए। पौलेंड के प्रतिनिधि श्री सेबेस्टीयन डुबोलोस्की ने कहा कि मैं भोपाल (मध्यप्रदेश) में हुए सत्कार से अभिभूत हूँ। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत में सबकुछ मुमकिन है। गत वर्ष श्री मोदी पौलेंड गये थे।

उज्जैन में बनेगा एयरपोर्ट-केन्द्रीय उड्यन मंत्री नायडू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहरों का ट्रांजिट ओरिएंटेड डेव्हलपमेंट किया जाएगा। शहरों में सुव्यवस्थित ट्राफिक के लिये अंडरब्रिज बनाने पर विचार किया जाएगा। नगरों के विकास के लिये बनाई गई पॉलिसी में आपके सुझावों पर जरूरी परिवर्तन किये जाएंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह बात ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 के अर्बन डेव्हलपमेंट सेशन में कही। केन्द्रीय नागरिक उड्यन मंत्री श्री के. राम मोहन नायडू ने कहा कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाया जाएगा। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों के नियम-कानूनों की शहरी विकास के कानूनों से समानता होनी चाहिए। श्रम कानूनों में सुधार होगा, जिससे उद्योगपति और

श्रमिक के बीच टकराव की स्थिति नहीं बनेगी। अतिथियों ने एमपी ईवी तरंग पोर्टल को लांच किया।

शहरों में विमान सेवाओं के उद्देश्य से पाँच कम्पनियों के साथ एमओयू हुए। एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ अंतर्राष्ट्रीय रूट इंदौर से आबुधाबी और इंदौर से बैंकॉक और घरेलू रूट इंदौर से पटना, इंदौर से कोच्ची एवं इंदौर से वाराणसी के लिये विमान सेवाएं शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। फ्रेंकफिन कम्पनी के साथ मध्यप्रदेश में 5 एविएशन एकेडमी शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। इसमें 6 से 7 हजार लोगों को रोजगार मिलना संभावित है। फ्लाई भारती के साथ उज्जैन में एयरपोर्ट डेव्हलपमेंट के लिये एमओयू हुआ। इसमें 750 करोड़ रूपये का निवेश होगा। कंपनी प्रधान एयर के साथ उज्जैन में और राज्य के भीतर हवाई सेवाएं शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। इसमें 150 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इन एविया एविएशन कंसलटेंट जीएमबीएच के साथ भोपाल में मेंटीनेंस रिपेयर एण्ड ऑपरेशन (एमआरओ) की स्थापना के लिये एमओयू हुआ।

इसमें प्रथम चरण में 500 करोड़ रूपये के निवेश की संभावना है। एक एमओयू एडिमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया के ट्रेनिंग इन्स्ट्रीट्यूट के साथ नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने किया है। इसमें विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ट्रेनिंग होगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जनभागीदारी शहर के विकास का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इंदौर शहर के नागरिकों की तरह स्वच्छता को संस्कार में शामिल करना होगा।

नगरों के समग्र विकास के लिये नगरीय निकायों में अपनायी जायेंगी बेस्ट प्रेक्टिस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ला ने आज भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नगरीय प्रशासन के विशेष सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में देश की उन सभी बेस्ट प्रेक्टिस को अपनाया जायेगा, जिससे मध्यप्रदेश में नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकायों के आय के स्त्रोत बढ़ाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों में ई-नगरपालिका प्रोजेक्ट को लागू किया जा रहा है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों के सामने अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती है। इसके लिये जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। सत्र में 2 विषयों सिटीज ऑफ टुमारो और ग्रीन क्लीन लिवबल सिटी पर विषय-विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। सिटीज ऑफ टुमारो विषय पर चेयरमेन सन बिल्डर्स एवं प्रेसीडेंट इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर इण्डिया श्री एन.के. पटेल ने कहा कि शहरों के विस्तार के लिये भूमि को रिजर्व में रखना जरूरी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड श्री राहुल देहिया, को-फाउण्डर एमडी सिग्नेचर ग्लोबल ग्रुप श्री रवि अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के लिये नियोजित टाउनशिप होना जरूरी है। टाउनशिप में सभी वर्गों के लोगों को जगह मिले, यह सुनिश्चित हो और वहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ हों। इस व्यवस्था से शहरी क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट पर दबाव कम होगा। निदेशक कॉमर्शियल रियल एस्टेट हीरानंदानी ग्रुप श्री मनीष गुप्ता ने प्रदेश में हाल ही में जारी इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी का स्वागत किया। डीएलएफ के सीनियर एक्जीक्यूटिव श्री राजीव सिंह ने उत्कृष्ट शहरी नियोजन को महत्वपूर्ण बताया। क्रेडाई एमपी चेप्टर के अध्यक्ष श्री मनोज सिंह मीक ने राजा भोज द्वारा बसाये गये भोपाल और यहाँ के बड़े तालाब की विशेषताओं की जानकारी दी।

ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य होगा- मनु श्रीवास्तव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत आगामी वर्ष-2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हरित हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेशकों के साथ राउंड टेबल चर्चा के दौरान अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में होगा। उन्होंने निवेशकों के साथ राउंड टेबल के दौरान राज्य शासन द्वारा उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं जैसे भूमि, प्रदेश में पर्याप्त बिजली, अनुकूल एवं भौगोलिक संरचना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य में प्रचुर नवकरणीय ऊर्जा संसाधन, सहायक नीतिगत

ढाँचा हरित हाइड्रोजन परियोजना के लिये अनुकूल माहौल तैयार करता है। चर्चा के दौरान निवेशकों द्वारा पूछे गये सवालों एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। ऊर्जा के वैकल्पिक माध्यमों में से ग्रीन हाइड्रोजन के अलावा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन की अक्षय ऊर्जा नीति 2022 का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा उपकरण निर्माण के लिए अनुकूल पारिस्थितिकीय क्षेत्र बनकर और अक्षय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर अपनाने की सुविधा प्रदान करके राज्य को अक्षय ऊर्जा केन्द्र के रूप में स्थापित करना है।

इसमें भूमि अधिग्रहण लागत पर 50 प्रतिशत छूट और अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नामित निजी भूमि खरीदी पर स्टॉम्प शुल्क पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति राशि प्रोत्साहन स्वरूप शासन द्वारा प्रदान की जाती है। अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सीईओ गोलमेज सम्मेलन में प्राप्त सिफारिशें एवं सुझाव मध्यप्रदेश की भविष्य की ऊर्जा नीति एवं रणनीतियों को बनाने में नया स्वरूप प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। राज्य की हरित हाइड्रोजन क्षमता को साकार करने और भारत के सतत ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने में उद्योगपतियों, अधिकारियों एवं वित्तीय हितधारकों का सहयोग आवश्यक है। ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अमनवीर सिंह बैंस ने कहा कि मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा निवेश के लिये तेजी से एक अनुकूल राज्य के रूप में उभर रहा है। पिछले 10 वर्षों में राज्य की अक्षय ऊर्जा क्षमता में 11 गुना वृद्धि हुई है, जो इसकी कुल स्थापित बिजली क्षमता का कुल 24 प्रतिशत है।

राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव मदद करने के लिये है तत्पर-मंत्री शुक्ला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में असीम संभावनाएँ मौजूद हैं। राज्य सरकार निवेशकों के साथ भागीदारी के लिये उत्सुक है। सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है। भविष्य में आने वाली चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए निवेशकों के साथ सदैव पूरी गंभीरता के साथ सहयोग करेगी। मंत्री श्री शुक्ला ने यह बाते मुरैना सोलर प्रोजेक्ट-1 और 2 के प्री-विड के सेशन को संबोधित करते हुए कही। अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने इन प्रोजेक्ट के संबंध में निवेशकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि निवेशकों को आश्वस्त किया कि प्रदेश में उनके द्वारा किये गये

निवेश की सुरक्षा की पूरी गारंटी है।

उन्होंने कहा कि मुरैना क्षेत्र में सोलर पार्क में निवेश करने वालों के लिये अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि जीआईएस-2025 भोपाल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का आना इस बात का द्योतक है कि मध्यप्रदेश निवेश के लिये अनुकूल राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के समग्र विकास के लिये नये अध्याय की शुरूआत की है। उन्होंने निवेश के आकर्षित करने के लिये विभिन्न अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव का आयोजन कर एक नया इतिहास रचा है। इससे प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के नए द्वार खुले है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस नवाचारी सोच के परिणाम स्वरूप आज भोपाल जीआईएस में बहुत बड़ी संख्या में निवेशकों की उपस्थिति दर्शा रही है कि आत्म-निर्भर भारत के योगदान में मध्यप्रदेश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगी। प्री-विड सेशन के पहले सत्र में मुरैना में 300-300 मेगावॉट की 2 यूनिटों की स्थापना के संबंध में एसीएस श्री मनु श्रीवास्तव द्वारा व्यापक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि प्राजेक्ट के लिये एशियन डेव्हलपमेंट बैंक द्वारा ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) और मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिड में शामिल होने वाले सभी निवेशकों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण किया जाएगा। विडर्स की ओर से 7 मार्च तक क्वेरीस भेजी जा सकती है।

बढ़ौरा शिव मंदिर में डेढ़ लाख लोगों ने किए दर्शन

महाशिवरात्रि पर अव्यवस्था से धक्का-मुक्की, मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के बढ़ौरा शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर बुधवार को 1.5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। जिले के इस प्रसिद्ध शिव मंदिर में दूर-दूर से आए भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। हालांकि मंदिर में उचित व्यवस्था न होने के कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जल चढ़ाने के दौरान धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। मंदिर प्रबंधन की ओर से भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे। मौजूद पुलिस बल कम होने के कारण स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाया।

थोड़ी देर के लिए बंद करना पड़ा मेन गेट: चुरहट एसडीओपी विवेक द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर तुरंत अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करवाया। उनके नेतृत्व में श्रद्धालुओं को लाइन में लगाकर दर्शन और जलाभिषेक की व्यवस्था की गई। हालात को नियंत्रित करने के लिए कुछ समय तक मंदिर का मुख्य द्वार बंद रखा गया।

इसके बाद श्रद्धालुओं को क्रमबद्ध तरीके से जल चढ़ाने की अनुमति दी गई। धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो गई। एसडीओपी ने सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की।

ड्रोन से पकड़ी गई अवैध अफीम की खेती

450 पौधे जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, खेती का एरिया 176 वर्ग फीट

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली पुलिस ने पहली बार ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर अवैध अफीम की खेती का खुलासा किया है। मामला माड़ा थाना क्षेत्र के धनहरा गांव का है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। करीब 1 लाख रुपए कीमत की 450 अफीम के पौधे जब्त किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

एसपी मनीष खत्री के अनुसार, अफीम की खेती के लिए नारकोटिक्स डिपार्टमेंट से लाइसेंस लेना जरूरी है। सिंगरौली और आसपास के जिलों में केंद्र सरकार की तरफ से ऐसा कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। इस वजह से यहां कोई भी व्यक्ति अफीम की खेती नहीं कर सकता। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या जिले में और भी लोग चोरी-छिपे अफीम की खेती कर रहे हैं।

सिविल सर्विसेज की नि:शुल्क तैयारी के लिए शुरू हो रहे नवीन बैच के रजिस्ट्रेशन जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस के डायरेक्टर परीक्षित भारती के सहयोग से निरंतर संचालित की जा रही हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर अंशुमन राज ने बताया है कि सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं के लिए नवीन बैच शुरू किया जा रहा है और इसके लिए रजिस्ट्रेशन जारी हैं। सहायक संचालक नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती ने बताया कि यूपीएससी एवं एमपीपीएससी नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस जनपद पंचायत सीधी के सभागार में सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक नियमित संचालित हो रही है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन जारी है। जिससे जल्द ही नवीन बैच शुरू किया जा रहा है।

2.30 लाख की तीन बाइक बरामद

कोतमा पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर की कोतमा पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से कुल 2.30 लाख रुपए की तीन बाइक बरामद की हैं।

कोतमा बाजार से चोरी हुई थी बाइक: मामला 24 फरवरी 2025 का है। आकाश कुमार पनिका अपनी पत्नी के साथ कोतमा बाजार आए थे। उन्होंने अपनी एचएफ डीलक्स बाइक (एमपी 65 एमसी 7915) आजाद चौक के जैन साइकिल स्टोर के सामने खड़ी की थी। जब वे बाजार से लौटे तो बाइक गायब थी। इसकी रिपोर्ट थाना कोतमा में दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पुलिस ने राजेश उर्फ राकेश जायसवाल को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने दोस्त सूरज केवट के साथ मिलकर बाइक चोरी की थी। दोनों रविवार की शाम कोतमा बाजार आए थे और वहां बाइक चोरी की योजना बनाई। सूरज केवट की बाइक की चाबी से बाइक स्टार्ट कर चोरी कर ली। चोरी की बाइक को बेचने के लिए मोहम्मद सैफ उर्फ लल्लू को देना था।

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार: पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं। राजेश जायसवाल से 70 हजार रुपए की स्कूटी, सूरज केवट से 80 हजार रुपए की एचएफ डीलक्स और मोहम्मद सैफ से चोरी की गई 80 हजार रुपए की बाइक बरामद की है। राजेश जायसवाल पहले भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

लोहे की प्लेट हटाई, तभी दीवार गिर गई

नाना बोले- मना किया था, नहीं माना, एनसीएल कंपनी में हादसे में जान गई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में मंगलवार शाम सीमेंट कंक्रीट की दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि आज रात को रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर एक मजदूर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। मृतक का पोस्टमॉर्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।

हादसे में घायल श्रमिक रामकेश पंडो ने बताया कि वह 5 अन्य श्रमिकों के साथ अम्लोरी प्रोजेक्ट के महुआ मोड़ के पास चल रहे नाले के निर्माण में काम करने के लिए पहुंचे थे, शाम करीब 5 बजे नाले की ढलाई के बाद लोहे की प्लेट हटा रहे थे।

तभी अचानक सीमेंट कंक्रीट की दीवार उसके ऊपर गिर गई, इसके बाद वह उसी में दब गया, अंदर से ही चीख पुकार करने लगा, लेकिन किसी को उसकी आवाज शायद सुनाई नहीं दी, उसके बाद वह बेहोश हो गया। होश आने के बाद रामकेश को दिखाई दिया, कि बाहर से कुछ लोग उसकी तरफ आ रहे हैं। रामकेश ने बताया कि मिट्टी पहले उसके ऊपर नहीं गिरी थी, बल्कि सीमेंट की दीवार ही गिरी थी।

मामी ने कहा- नाना के साथ काम पर जाया करता था: आज मृतक रोहित बैस के परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंचे। मृतक रोहित की मामी सलेश ने बताया कि रोहित उन्हीं के यहां रहकर अपने नाना के साथ कम पर जाया करता था, कल भी नाना के साथ ही काम पर गया और उन्हीं के साथ शाम 5 बजे तक काम करता रहा।

इसके बाद रोहित आगे जाने लगा तो नाना रामसजीवन ने उन्हें रोका और मना किया कि वहां आगे मत जाओ, यही मेरे साथ काम करो, लेकिन रोहित नहीं माना और आगे चला गया। हम लोग मंगलवार को प्रयागराज गंगा स्नान करने के लिए जाने वाले थे, लेकिन शाम 6 बजे रोहित के नाना ने मुझे बताया कि रोहित मिट्टी के अंदर दब गया है, हम लोग प्रयागराज नहीं गए और मौके पर पहुंचे।

रोहित माता-पिता में इकलौता था: रोहित की एक और रिश्तेदार मौसी ने बताया कि रोहित अपनी माता-पिता का इकलौता सहारा था। एक बेटी है और एक बेटा रोहित वही काम करके परिवार को चल रहा था, अब उसके जाने के बाद परिवार में कोई नहीं बचा है।

आज अस्पताल में सुबह से ही बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार और प्रशासन की तरफ से तहसीलदार सविता यादव और एनसीएल के अधिकारी पहुंचे थे। तहसीलदार सविता यादव ने बताया कि मृतक रोहित वैश्य के परिवार जनों को 4 लाख पचास हजार की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके अलावा मृतक रोहित के पिता को एनसीएल के झिगुरदा प्रोजेक्ट में काम भी दिया जाएगा

7 घंटे चला था रेस्क्यू: गौरतलब है कि कल मंगलवार की शाम 6 बजे निगाही प्रोजेक्ट के अंदर नाले के निर्माण के दौरान हादसा हुआ था। जिसमें 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, 5 जेसीबी मशीन से मालवे को हटाने के बाद मृतक रोहित बैस का शव निकल गया था। मौके पर कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला और एसपी मनीष खत्री लगातार मौके पर मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि के पर्व पर शिव मंदिर में हुआ, ओम नम: शिवाय का जाप व विशाल भंडारा

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। महाशिवरात्रि पर्व पर अस्पताल परिसर के शिव मंदिर में अखंड ओम नमः शिवाय का जाप, विशाल भंडारे का आयोजन शिव भक्तों द्वारा किया गया,यह आयोजन अस्पताल जवा में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर अग्निवेश मिश्रा जी के मार्गदर्शन में समस्त स्टाफ के सहयोग से प्रति वर्ष शिवरात्रि में विशेष रूप किया जाता है।

तत्कालीन ब्लाक मेडिकल आफिसर जवा डाक्टर एन.के. पाण्डेय जी के सौजन्य में शिव मंदिर का निर्माण सबके सहयोग से किया गया था,तब से हर वर्ष महाशिवरात्रि में अखंड ओम नमः शिवाय जाप,और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है।श्री पाण्डेय शिवरात्रि में हर वर्ष यहां पूजा अर्चना करने एवं प्रसाद ग्रहण करने पहुंचते हैं,

28 फरवरी को होंगे सेवा निवृत्त लोगों दी अग्रिम शुभकामनाएं: डाक्टर एन.के. पाण्डेय 28 फरवरी 2025 को जिला अस्पताल रीवा से सेवा निवृत्त होंगे, उन्होंने बताया कि मेरे सेवाकाल का अधिकतर समय यहां बीता है, मैंने सच्चे मन और श्रध्दा से यहां के लोगों की सेवा की है,

शिव मंदिर अस्पताल परिसर में सबके सहयोग से बना है, कहा कि दवा और दुआ दोनों मिले तो आदमी हर समस्या में सफलता प्राप्त करता है। मौजूद स्टाफ व अन्य लोगों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं भी दिया।

आयोजन में सराहनीय सहयोग शिवम गुप्ता,अजय मिश्रा, अरुणेश मिश्र, पुष्पराज सिंह, रविशंकर तिवारी, रोहित तिवारी,अजय कुमार सेन,सनत तिवारी, शिवेंद्र सिंह, अभिमन्यु मिश्रा, मनीष मिश्रा रहा, जबकि प्रमुख रूप से बीएमओ जवा डाक्टर ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, डाक्टर रावेन्द्र सिंह, डाक्टर विमलेश पाटीदार, संतोष मिश्रा,गुलाब सिंह,रातेन्द्र सिंह शक्तीमान उर्मलिया अंगिरश मिश्रा, गिरीश द्विवेदी, मुन्ना सिंह,प्रदीप वर्मा,शिवशरण गुप्ता,गजाधर वर्मा, शुशील कुमार शर्मा, एवं किशोर कुमार तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह में 351 जोड़ों की हुई शादी

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कपल्स को मिले 49 हजार का चेक

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत बुधवार को सामूहिक विवाह समारोह हुआ। पुष्पराजगढ़ के खेल मैदान में हुए इस कार्यक्रम में 351 जोड़ों ने विवाह बंधन में बंधे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मध्यप्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार लगातार जनहित के कार्य कर रही है।

सांसद हिमाद्री सिंह ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की और सभी नवदंपतियों को शुभकामनाएं दीं।

विवाह समारोह में परंपरागत रीति-रिवाजों का पूरा ध्यान रखा गया। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के स्व सहायता भवन से दूल्हों की बारात निकाली गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बारात की अगुवाई की। वर पक्ष का भव्य स्वागत किया गया। आतिशबाजी और बैंड-बाजे के साथ समारोह में उत्सव का माहौल रहा।

नर्मदा उद्गमस्थल पर स्नान और पूजा के लिए जुटे भक्त

महाशिवरात्रि से अमरकंटक में पांच दिवसीय मेले की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। महाशिवरात्रि पर अमरकंटक में नर्मदा नदी के उद्गम स्थल पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही अमरकंटक मंदिर प्रांगण और रामघाट पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालु अमरकांठेश्वर महादेव मंदिर और ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। पास ही स्थित अमरेश्वर महादेव मंदिर में 11 फीट का शिवलिंग स्थापित है।

इस अवसर पर 5 दिवसीय ऐतिहासिक मेला लगाया गया। यह मेला हजारों वर्षों से चला आ रहा है। वर्ष 1772 में इसे राजकीय संरक्षण मिला था। मंडला के रामपुर रियासत के राजा हृदय शाह गौड़ ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सैनिकों की व्यवस्था की थी। शहडोल सांसद हिमांद्री सिंह मेले का उद्घाटन किया।

नर्मदा मंदिर के पुजारी पंडित सुनील द्विवेदी के अनुसार, महाशिवरात्रि माता गौरी का विवाह उत्सव भी है। यहां नर्मदा स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि देवासुर संग्राम में राक्षसों का वध करने के बाद देवताओं ने यहां स्नान कर पाप मुक्ति पाई थी। पांच दिन तक चलने वाले इस पर्व में महाभिषेक और रात्रि जागरण के साथ विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

5 हजार का इनामी चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हत्या का प्रयास और दुष्कर्म समेत कई मामले दर्ज, दो साथी पहले से जेल में

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर मपुलिस ने बुधवार को एग्राम भागोत से 5 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विजय रैकवार उर्फ रानू उर्फ नानू के खिलाफ हत्या का प्रयास, बलवा और दुष्कर्म समेत तीन गंभीर अपराध दर्ज हैं।

वह 2021 से हत्या के प्रयास और बलवा के मामले में फरार चल रहा था। न्यायालय ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी कर रखा था।

मुख्य आरोपी और एक नाबालिग पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तार: सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे के अनुसार, 28 दिसंबर 2024 को ग्राम बगौता में एक घर से चोरी की वारदात हुई थी। एसपी अगम जैन ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की थी। पुलिस ने दो दिन के भीतर ही मुख्य आरोपी दीपक उर्फ खब्बू रैकवार और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया था।

चोरी में इस्तेमाल किया गया लोहे का रॉड बरामद: उनके पास से करीब 2 लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए गए थे। दीपक को जेल और नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया था। अब तीसरे आरोपी विजय रैकवार को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से चोरी में इस्तेमाल किया गया लोहे का रॉड बरामद किया गया है। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन कोष एवं लेखा के आईएफएमआईएस पोर्टल के माध्यम से तैयार होता है। पोर्टल में प्रत्येक शासकीय सेवक की इम्पलाई प्रोफाइल बनी हुई है जिसमे समस्त विवरण दर्ज हैं। संचालक कोष एवं लेखा में इम्पलाई प्रोफाइल को समग्र आईडी से सत्यापित करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जिला कोषालय अधिकारी मुकेश तिवारी ने बताया कि सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी तथा कार्यालय प्रमुख उनके अधीन पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करके आधार संख्या से लिंक कराएं।

निशुल्क नेत्र शिविर में 350 मरीजों की जांच हुई, 85 को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए छतरपुर से चित्रकूट भेजा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर में बुधवार को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला। शिविर का आयोजन पूर्व विधायक स्व. जेपी निगम और मिथिलेश निगम की स्मृति में किया गया। उनकी पुत्रियां मृदुला रेणुका और स्मिता निगम ने इस आयोजन में सहयोग दिया। हनुमान टोरिया सेवा समिति और सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के साथ शिविर आयोजित हुआ।

टीम ने 350 मरीजों का परीक्षण किया: समिति सदस्य गिरजा पाटकर ने बताया कि सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आए डॉ. शिवेंद्र मिश्रा, डॉ. विश्वकर्मा प्रदीप मिश्रा और उनकी टीम ने 350 मरीजों का परीक्षण किया। सभी मरीजों को उचित सलाह और दवाएं दी गईं। पिछले माह मोतियाबिंद के ऑपरेशन कराने वाले मरीजों को नए चश्मे वितरित किए गए। इस शिविर में 85 नए मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले 14 वर्षों में एक लाख से अधिक मरीजों को इस तरह के शिविरों से लाभ मिल चुका हैं।

निशुल्क नेत्र शिविर में 350 मरीजों की जांच हुई

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर में बुधवार को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला। शिविर का आयोजन पूर्व विधायक स्व. जेपी निगम और मिथिलेश निगम की स्मृति में किया गया। उनकी पुत्रियां मृदुला रेणुका और स्मिता निगम ने इस आयोजन में सहयोग दिया। हनुमान टोरिया सेवा समिति और सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के साथ शिविर आयोजित हुआ।

टीम ने 350 मरीजों का परीक्षण किया: समिति सदस्य गिरजा पाटकर ने बताया कि सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आए डॉ. शिवेंद्र मिश्रा, डॉ. विश्वकर्मा प्रदीप मिश्रा और उनकी टीम ने 350 मरीजों का परीक्षण किया। सभी मरीजों को उचित सलाह और दवाएं दी गईं।

महाशिवरात्रि पर सिंगरौली के मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

बैढ़न के शिवधाम में सुबह से लगी कतारें, भक्त कर रहे पंचामृत से अभिषेक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। शहर के विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

बैढ़न स्थित प्रसिद्ध शिव धाम मंदिर में भक्त दूध, दही, पंचामृत और शहद से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर रहे हैं। मंदिर में पहुंची भक्त स्नेह सुमन ने बताया कि वह हर शिवरात्रि पर विशेष पूजा के लिए यहां आती हैं। उन्होंने ताजा बेलपत्र और फूल भगवान को समर्पित किए। उनका कहना है कि शिव धाम मंदिर में आसपास के लोगों की गहरी आस्था है।

शिव धाम मंदिर के पुजारी डॉ. नारायण प्रसाद मिश्रा के अनुसार, इस शिवरात्रि पर एक विशेष संयोग बन रहा है। महाशिवरात्रि भगवान शिव के गुणों का उत्सव मनाने और उनकी शिक्षाओं पर विचार करने का दिन है। भगवान शिव को ब्रह्मांड के संहारक और परिवर्तनकर्ता के रूप में माना जाता है।

यह पर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को मनाया जाता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार महाशिवरात्रि का व्रत करने वाले साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। सिंगरौली जिले के बैढ़न और पचोर शिव मंदिर पर प्रतिवर्ष तीन दिवसीय मेला लगता है।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत लाभ लेने करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देकर बताया कि मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत सीधी जिले में नवाचार के रूप में झींगा पालन की गतिविधियों को बढ़ावा देने, मत्स्य विक्र य के लिए स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना तथा प्रशिक्षण हेतु संचालनालय मत्स्योद्योग मध्यप्रदेश, भोपाल से भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्तिगत मत्स्य पालक, ग्रामीण तालाबों के पट्टाधारक, स्व सहायता समूह, मछुआ सहकारी समितियां जो प्रशिक्षण प्राप्त कर ग्रामीण तालाबों में झींगा पालन का कार्य करने हेतु इच्छुक हैं उन्हें शासन द्वारा आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। हितग्राही जो इस योजना का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं शीघ्र अपना आवेदन कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग जिला सीधी वीथिका परिसर (कलेक्ट्रेट के सामने) में कार्यालीन समय में जमा कर सकते हैं।

विचार

विदेश मंत्रियों की कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर सार्थक चर्चा

दक्षिणी अफ्रीकी शहर जोहान्सबर्ग में यूं तो जी 20 के विदेश मंत्रियों की बैठक चल रही है। इसमें अलग हटकर अगर एशिया के दो महत्वपूर्ण, ताकतवर और पड़ोसी देशों चीन और भारत के विदेश मंत्रियों की मुलाकात होगी तो उस पर कूटनीतिक हलकों की नजर जाना स्वाभाविक है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात को दोनों ही देशों में उम्मीद से देखा जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों के साथ ही कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर सार्थक चर्चा की है। इसका असर इसी साल की गर्मियों में दिखेगा, जब भारतीय श्रद्धालु कैलाश-मानसरोवर की यात्रा पर जाएंगे। यहां ध्यान देने की बात यह है कि जब से दोनों देशों के आपसी रिश्तों में असहजता आई थी, तब से कैलाश-मानसरोवर यात्रा रूकी हुई है। इस यात्रा के शुरू होने के गहरे मायने हैं। इसका मतलब यह है कि भारतीय श्रद्धालु अपने तीर्थ स्थल की यात्रा ही नहीं करेंगे, वैश्विक स्तर पर सौहार्द का संदेश भी लेकर जाएंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी से भारतीय विदेश मंत्री की मुलाकात कितनी अहम है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुलाकात की जानकारी खुद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखकर दी। एस जयशंकर ने लिखा कि जोहान्सबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले सीपीसी पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मिलने का अवसर मिला। गौरतलब है कि इसके पहले दोनों नेता ब्राजील में 18 नवंबर 2024 को मिले थे और आपसी संबंधों पर आगे बढ़ने को लेकर चर्चा की थी। इसके बाद ही दोनों देशों के बीच रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने के आसार बढ़ने लगे थे। इसका असर इसी साल जनवरी में पहली बार दिखा, जब भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने 26 और 27 जनवरी को चीन का दौरा किया और चीन के अधिकारियों में भेंट-मुलाकात की। इसका जिक्र करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का कहना कि दोनों मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान खास तौर पर सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति स्थापित करने के साथ ही, कैलाश मानसरोवर यात्रा, सीधी उड़ान के जरिए कनेक्टिविटी की बहाली और दोनों देशों के आपसी यात्रियों की सहूलियतों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। वैसे देखें तो दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने और नई सदी के अनुरूप ढालने की दिशा में जमीनी स्तर पर काम करने की भूमिका पिछले साल अक्टूबर में रूसी शहर कजान में हुई चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपसी बैठक के साथ बननी शुरू हुई।

महाकुंभ भारत की संस्कृति का परिचायक एवं आत्मा

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संया में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुभ को मृत्युकुभ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुभ। इस प्रकार के गैर जिमेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं।

ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

इसे भी पढ़ें- कितनी उचित है गंगाजल पर बयान बाजी

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ़ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। जबकि विदेशों से आये मेहमानों ने महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है, इटली से आए एक श्रद्धालु ने कहा, यहां आकर जो मेरा अनुभव है, वह काफी शानदार रहा है। इटली के ही एक फोटोग्राफर ने कहा कि वह महाकुंभ की तस्वीरें लेने आए हैं। कुंभ में घूमने के दौरान कुछ लोगों से मिलने का मौका मिला। मुझे भारत की विविधता काफी अच्छी लगती है। उन्होंने बताया कि वह अब तक पांच कुंभ मेलों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन यह उनमें सबसे बेहतर है। ब्रिटेन से आई एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है। यह काफी जादुई लगता है। बहुत, बहुत अच्छा, एक प्यारा अनुभव। ब्रिटेन के ही एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि यहां गंगा नदी में स्नान का अनुभव काफी अच्छा है। मैं समझता हूं कि भारत सबसे बढ़िया देश है। इस तरह भारत के गौरव को बढ़ाने वाली इन टिप्पणियों से न केवल महाकुंभ बल्कि सनातन संस्कृति का दुनिया में परचम फहराया है बल्कि उसमें चार चांद लगे हैं।

भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता

है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

महाशिवरात्रि पर मंदिर से लौट रहे 5 श्रद्धालुओं की मौत

बोलेरो-कंटेनर भिड़ी, मरने वाले में एक महिला और 3 बच्चे, 6 जख्मी

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में बोलेरो और कंटेनर के बीच टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कंटेनर में आग लगी दी। बोलेरो सवार महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा नेशनल हाईवे-43 पर विशुनपुर गांव के प्लांट के पास आज (बुधवार) दोपहर करीब 12.30 बजे हुआ है। टक्कर के बाद बोलेरो पलट गई, जिससे कार बुरी तरह डैमेज हो गई। मरने वालों में रेवापुर-सखौली निवासी 1 महिला, 3 बच्चे और 1 पुरुष शामिल हैं।

सीएम विष्णुदेव साय ने सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत पर दुख जताया है। साथ ही 6 घायलों को तत्काल इलाज के निर्देश दिए हैं। साय ने लिखा कि ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को शांति और परिजनों को संबल देने की प्रार्थना करता हूं।

पुलिस ने कंटेनर में लगी आग बुझाई: हादसे के बाद लोग बोलेरो के अंदर ही फंस गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीतापुर सीएचसी अस्पताल भेजा गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे में ट्रक ड्राइवर भी घायल है। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने कंटेनर में आग लगा दी। जिसे पुलिस कर्मियों ने बुझा लिया है।

किलकिला शिव मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे: बोलेरो क्रमांक सीजी 15 ईडी 7078 में सवार होकर 11 लोग महाशिवरात्रि पर सीतापुर के किलकिला शिव मंदिर गए थे। सुबह दर्शन कर अपने घर रेवापुर-सखौली लौट रहे थे। इसी दौरान ब्लैक स्पॉट वाली जगह पर हादसा हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गर्लफ्रेंड से रात में मिलने गया, करंट से मौत

शिकारियों ने बिछाया था तार, 20 दिन बाद मिला कंकाल, साक्ष्य छिपाने पैरावट में जलाई थी लाश

मीडिया ऑडीटर, सारंगढ़-बिलाईगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 20 दिनों से लापता युवक का कंकाल और जली हुई हड्डियां मिली हैं। शिकारियों के बिछाए गए करंट वाले तार की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई थी। आरोपियों ने साक्ष्य छुपाने शव को पैरावट में जला दिया था। मामला बेलादुला चौकी क्षेत्र का है। पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। युवक मनोज साहू (27) तेंदुदरहा गांव रात में अपनी प्रेमिका से मिलने गया था। लौटने के दौरान सुबह 4 बजे वह करंट की चपेट में आ गया। हालांकि, जंगल में खून के धब्बे लगे हुए 3 लाठी भी मिले हैं। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी।

5 फरवरी से लापता था युवक: जानकारी के अनुसार युवक मनोज साहू 5 फरवरी से लापता था। इसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। जांच के दौरान पुलिस को जंगल में खून के धब्बे और तीन लाठी मिले थे, जिसमें भी खून लगा हुआ था। मौके पर डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक की टीम को बुलाया गया। लेकिन युवक का कहीं पता नहीं चला।

4 संदेहियों को हिरासत में लेकर की पूछताछ: 20 दिन बीत जाने के बाद मुखबिर की सूचना पर 4 संदेहियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 5 फरवरी 2025 को रात करीब 12:00 बजे अपने गांव तेन्दुदरहा के खेत में करंट वाला तार बिछाया था। जंगली सुअर (बरहा) की शिकार करने के लिए ये करंट लगाया गया था।

लगभग 04:00 बजे तार में किसी के फंसने से चिंगारी निकली। वहां जाकर देखा गया तो एक शख्स करंट की चपेट में आकर मर गया था। डर से आरोपी राजेश सिंह नेताम ने युवक के शव को ट्रैक्टर ट्रॉली में डालकर चिलमघाटी ले गया।

पैरावट में शव को डालकर आग लगाई: रोड किनारे के खेत में रखे पैरावट में शव को डालकर आग लगाकर अपने घर वापस आ गया। दूसरे दिन फिर से बाइक से जाकर लकड़ी और पैरा डालकर पूरी तरह से लाश को जला दिया। आरोपियों के बयान के आधार पर चिलमघाटी के पास ग्राम पिरदा में शांतिबाई बिंझवार के खेत में जांच की गई।

पैरावट के अंदर मानव कंकाल और जली हुई हड्डी मिली। गुम इंसान मनोज कुमार साहू के चुड़े का हिस्सा मिलने पर सभी साक्ष्य को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। चारों आरोपी राजेश सिंह नेताम, गौरसिंह सिदार, भानुसिंह नेताम और चैन सिंह जगत को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी ग्राम तेंदुदरहा के रहने वाले हैं। घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर और अन्य सामान को भी जब्त किया गया है। जंगल में मिले खून के धब्बे किसके? मृतक मनोज साहू के परिजनों का कहना है कि युवक के साथ हुए असली घटना को छुपाने का प्रयास किया जा रहा है। आखिरकार जांच के दौरान जंगल में मिले खून के धब्बे और तीन लाठी में मिला खून किसका है? यह सबसे बड़ा सवाल है। क्या युवक के साथ कुछ दूसरी घटना हुई है? क्या इस डंडे से युवक की हत्या हुई है? इसकी जांच की मांग परिजनों ने की है।

पुलिस जल्द करेगी मामले का खुलासा: वहीं इस मामले में अधिकारियों ने अभी किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बिलाईगढ़ एसडीओपी विजय ठाकुर ने कहा कि इस पूरे मामले में जांच की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले क्या खुलासा किया जाएगा।

बालोद के पूर्व एमएलए की गाड़ी ने बाइक को ठोका

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। बालोद के पूर्व भाजपा विधायक प्रीतम साहू को लेने एयरपोर्ट जा रही कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे दो युवक घायल हो गए। घटना बुधवार सुबह 8 बजे की है। लालपुर निवासी नरेंद्र साहू (19) और सूरज साहू (16) अपने बाइक से भूतेश्वर महादेव की दर्शन के लिए गरियाबंद जा रहे थे, वहीं दूसरी ओर से बालोद के पूर्व विधायक को लेने ड्राइवर और सुरक्षाकर्मी माना एयरपोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान माना बस्ती से पहले सिग्नल के पास जबरदस्त टक्कर हो गई। इस घटना में दोनों युवकों के पैर फैक्चर हो गए तो वहीं कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पीछे बैठा युवक डिवाइडर के दूसरी ओर जा गिरा: घायल के परिजनों का कहना है कि कार इतनी स्पीड में था कि पीछे बैठा सूरज साहू उछलकर डिवाइडर के दूसरी ओर जा गिरा। जिसे आनन-फानन में पचपेड़ी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिलासपुर मेयर की शपथ समारोह में आएंगे सीएम

28 को होगा आयोजन, 15 दिन बाद सभापति और एमआईसी का होगा गठन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर नगर निगम की नव निर्वाचित महापौर पूजा विधानी समेत पार्षद 28 फरवरी को शपथ लेंगे। सुबह 11 बजे से आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम और नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव सहित भाजपा के नेता भी मौजूद रहेंगे। आयोजन मुंगेली नाका स्थित ग्रीन गार्डन में होगा। शपथ ग्रहण के 15 दिन बाद सभापति तय करने के साथ ही एमआईसी का गठन किया जाएगा।

नगरीय निकाय चुनाव में बिलासपुर सहित प्रदेश के सभी 10 नगर निगम में भाजपा ने परचम लहराया है। ऐसे में संगठन के साथ ही निर्वाचित महापौर समारोह आयोजित कर शपथ ग्रहण करने की तैयारी में है। बिलासपुर में महापौर पूजा विधानी समेत भाजपा के 49 पार्षद जीत कर आए हैं। इस बड़ी जीत को देखते हुए भव्य शपथ ग्रहण समारोह होना है। ऐसे में अभी से तैयारी शुरू कर दी गई है।

सीएम साय सहित दिग्गज नेता रहेंगे मौजूद: इस कार्यक्रम में सीएम विष्णु देव साय के साथ ही केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, डिप्टी सीएम अरुण साव, विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला सहित भाजपा के पदाधिकारी से लेकर स्थानीय नेता मौजूद रहेंगे। बता दें कि अभी नगर निगम में कलेक्टर अवनीश शरण प्रशासक हैं। शपथ ग्रहण के बाद मेयर पूजा विधानी निगम दफ्तर पहुंचकर पदभार संभालेंगी।

शपथ ग्रहण के 15 दिन बाद सभापति और एमआईसी का गठन: कहा जा रहा है कि शपथ ग्रहण के 15 दिन बाद सभापति बनाने के साथ ही एमआईसी का गठन किया जाएगा। समारोह के बाद भाजपा की बैठक होगी, जिसमें सभापति और एमआईसी मेंबर के नामों पर चारों विधायकों से रायशुमारी की जाएगी। हालांकि, सभापति के लिए विधायक अमर अग्रवाल की पसंद को ही तवज्जो दिया जाएगा। एमआईसी सदस्यों के लिए सभी विधायकों की सहमति लेकर नाम तय किए जाएंगे।

तखतपुर के फर्नीचर दुकान में लगी आग

धूं-धूंकर जल गए प्लाईवुड, पलंग और लकड़ी के सामान, लाखों के नुकसान की आशंका

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर जिले के तखतपुर में लक्ष्मी फर्नीचर दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। जिससे दुकान में रखे सभी सामान जलकर राख हो गए। आग की तेज लपटों ने देखते ही देखते प्लाईवुड, पलंग और अन्य लकड़ी के सामान जल गए।

जानकारी के मुताबिक, तखतपुर मुख्य मार्ग पर टेकू सिंह के लक्ष्मी फर्नीचर में बुधवार सुबह 11 बजे उपरी मंजिल में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि दूर-दूर तक लपटें और धुएं का गुबार नजर आया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इस बीच दमकल की टीम को बुलाया गया। दमकल ने आग को काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत नुकसान हो चुका था। फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं लग पाया है। नुकसान का भी आकलन नहीं हो सका है।

रायपुर के माना बाल संप्रेषण गृह से भागे 4 नाबालिग

पुलिस थाने नहीं पहुंची शिकायत, सुरक्षा में लापरवाही से बार-बार हो रही घटनाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के माना बाल सुधार संप्रेषण गृह से 4 नाबालिग फरार हो गए हैं। इस मामले में संप्रेषण गृह प्रबंधन की लापरवाही इस कदर है कि अभी तक पुलिस थाने में लिखित शिकायत तक नहीं दी गई है। जिससे भागने का तरीका पता चल सके।

हालांकि माना पुलिस को इसकी मौखिक सूचना मिलते ही नाबालिगों की तलाश शुरू हो गई है। संप्रेषण गृह से गंभीर मामलों के आरोपी नाबालिगों के भागने से लगातार सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार रात करीब साढ़े 8 बजे की है। 4 नाबालिग रात में भोजन के बाद मौका पाकर संप्रेषण गृह से भाग गए। इस दौरान वहां पर कर्मचारी भी मौजूद थे। उसके बावजूद सुरक्षा में लापरवाही हुई। जिस वजह से नाबालिग भागने में सफल हो गए।

जब उनकी गिनती की गई तो संख्या कम मिली। जिसके बाद प्रबंधन को जानकारी मिली। चार नाबालिगों में तीन स्थानीय रायपुर के रहने वाले हैं जबकि एक ओडिशा का है। ये आरोपी गंभीर मामलों में बंद थे।

थाने में लिखित शिकायत नहीं: इस मामले में माना पुलिस का कहना है कि बाल संप्रेषण गृह की तरफ से पुलिस थाने में अभी तक कोई भी लिखित शिकायत लेटर नहीं दिया गया है। केवल व्हाट्सएप के माध्यम से वहां के किसी कर्मचारी से सूचना मिली। हालांकि पेट्रोलिंग टीम नाबालिग की खोज में जुट गई है।

नाबालिग कैसे बाहर निकले यह अभी साफ नहीं है। इस मामले में जब माना संप्रेषण गृह अधीक्षक से बात करने की कोशिश की गई। लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

8 महीने पहले 10 नाबालिग भागे थे: इस बाल संप्रेषण गृह से करीब 8 महीने पहले एक साथ 10 नाबालिग फरार हो गए थे। नाबालिगों ने पहले कमरे के खिड़की की ग्रिल तोड़ी फिर दीवार फांदकर फरार हो गए। इनमें से कई आरोपी हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में बंद थे। इस घटना के बावजूद प्रबंधन की तरफ से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। जिससे फिर एक बार नाबालिग के भागने का केस हुआ है।

ईसाई धर्म नहीं अपनाने पर पत्नी को बेल्ट से पीटा

पत्नी बोली- पति ने घर से मूर्तियां फेंकी, यीशु मसीह की फोटो लगाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में धर्म-परिवर्तन नहीं करने पर पत्नी को पति ने बेल्ट से पीटा। महिला बोली पति उसे और 2 बच्चों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहा है। ऐसा नहीं करने पर पति मारपीट करता है। घर से भगवान की मूर्तियों को निकालकर फेंक दिया है और उसकी जगह यीशु मसीह की फोटो लगा दिया है। भगवान की मूर्ति पूजा को वह शैतान पूजा बताता है।

महिला ने बताया कि मैं दलित समाज की महिला हूं, साल 2016 में जब मेरी शादी हुई, तब मेरा पति हिंदू धर्म को मानता था। हमारी शादी भी हिंदू रिति रिवाज से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही मेरा पति ईसाई धर्म को मानने लगा।

शादी के बाद धर्म बदलने के लिए दबाव डालने लगा: शुरुआत में वो बोला कि तुम अपने धर्म को मानो और मैं ईसाई धर्म को मानूंगा। मुझे कुछ समझ नहीं आया। लेकिन, शादी के बाद मैं क्या करती। सब कुछ ऐसे ही चलता रहा। इस दौरान हमारे दो बच्चे हो गए। जिसके बाद पति का व्यवहार बदल गया। वो मुझे धर्म बदलने के लिए दबाव डालने लगा। मैं चर्च जाने लगी। प्रार्थना भी करती रही। लेकिन, मेरा मन धर्म परिवर्तन करने के लिए तैयार नहीं हुआ। जिसके बाद पति मेरे साथ बुरा बर्ताव करने लगा। धर्म बदलने के लिए वो बेल्ट से बुरी तरह से मारपीट करने लगा। मैंने अपने ससुरालवालों को इसकी जानकारी दी। लेकिन, उन्होंने कुछ नहीं किया। आखिरकार, मैं पति की हरकतों से तंग आ गई और मायके में आकर रहने लगी।

इसके बाद भी पति की हरकतों में सुधार नहीं आया। वह मेरे दोनों बच्चों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहा है, जिससे मैं परेशान हो गई हूं। ईसाई धर्म के चक्कर में हमारा परिवार तबाह हो गया है। कोई मेरी मदद नहीं कर रहा है। तंग आकर अब पुलिस के पास शिकायत करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

धर्म परिवर्तन नहीं करने पर पास्टर पर लोगों को डराने का आरोप: शिकायतकर्ता निगम कर्मी उतरा कुमार साहू और रामेश्वर साहू के मुताबिक धर्म परिवर्तन नहीं करने पर मसीही समाज के धर्म गुरु यानी पास्टर लोगों को प्रभु के नाम से डरा रहा है। पास्टर और उनकी पत्नी के खिलाफ सकरी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। जिस पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

दरअसल, ग्राम संबलपुरी निवासी उतरा कुमार साहू और रामेश्वर साहू अपनी शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। एक निगम के आउटसोर्सिंग कंपनी में सफाई कर्मी तो दूसरा पीडब्ल्यूडी में मजदूर है। दोनों ने मसीही समाज के पास्टर संतोष मोसेस और उनकी पत्नी अनु मोसेस पर बार-बार धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म को मानने के लिए दबाव बनाने की शिकायत की।

उन्होंने बताया कि पास्टर संतोष 2 फरवरी रविवार को सुबह 10 से 12 बजे के बीच उनके गांव गए थे। उसने उतरा साहू पर जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाया। उन्होंने उतरा से कहा कि धर्म परिवर्तन करने पर उसके साथ सब ठीक रहेगा, नहीं तो प्रभु का प्रकोप पड़ने की बात कहकर डराने लगे। पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच कर रही है।

जिले में 10 से ज्यादा हॉट-स्पॉट, मदद के बहाने कराते हैं प्रार्थना: दरअसल, जिले में 10 से ज्यादा जगहों पर मिशनरी धर्मांतरण कराने में जुटे हैं। ज्यादातर स्लम एरिया है। यहां गरीब और बीमार लोग निशाने पर होते हैं। स्लम एरिया की महिलाओं को पति की शराब की लत छुड़ाने के लिए प्रार्थना से जोड़ते हैं। इसके बाद धीरे-धीरे दूसरी महिलाओं को भी साथ ले जाते हैं। उनके साथ पिकनिक मनाते हैं। जब भरोसा जीत लेते हैं, तब बपतिस्मा दिलाते हैं यानी धर्म बदलवाते हैं।

मेकाहारा के एक्स-रे रूम में घुसा चोर

इलाज के लिए आई महिला का उतारा मंगलसूत्र और हुआ फरार, 10 दिन बाद एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के मेकाहारा अस्पताल के एक्स-रे रूम में एक चोर ने घुसकर इलाज के लिए आई महिला का मंगलसूत्र चुरा लिया। यह घटना तब घटी जब महिला अपने इलाज के दौरान एक्स-रे करवा रही थी और चोर ने मदद करने के बहाने उसे धोखा देकर मंगलसूत्र उतरवा लिया। यह घटना मौदहापारा थाना क्षेत्र में 15 फरवरी को हुई थी। घटना के 10 दिन बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है।

घटना के बारे में पीड़ित महिला के बेटे शिशुपाल बघेल ने पुलिस को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह अपनी मां का इलाज करवाने के लिए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अस्पताल गए थे, जहां मां का चेकअप होने के बाद एक्स-रे और सीटी स्कैन के लिए वे एक्स-रे रूम गए थे। इस दौरान रूम में एक शख्स मौजूद था, जो महिला की मदद करते हुए पर्ची लेकर अंदर गया। आरोपी ने महिला को एक्स-रे करवाने में मदद की, लेकिन कुछ देर बाद पानी पीने के बहाने रूम से बाहर निकल गया।

गले से गायब हुआ मंगलसूत्र: जब एक्स-रे टेक्निशियन ने महिला से गहने उतारने को कहा, तो महिला का मंगलसूत्र गायब था। महिला और उसके बेटे ने आरोपी को खोजने की कोशिश की, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आया। इसके बाद शिशुपाल ने पुलिस में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने इस मामले में एफआईआर 10 दिन बाद दर्ज किया।

इस मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है, और अस्पताल परिसर के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है ताकि आरोपी का पता लगाया जा सके।

महाशिवरात्रि पर आस्था की गूंज, देवालयों में हर-हर महादेव का उद्घोष, जलाभिषेक करने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, चैतन्य झांकियां भी सजाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में महाशिवरात्रि पर्व पर शहर से लेकर गांव तक आस्था की झलक दिखाई दे रही है। श्रद्धालु देवालयों में भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। सुबह से लेकर दोपहर तक शिव मंदिरों में हर-हर महादेव की गूंज सुनाई दे रही है और लोग विधि-विधान से पूजा अर्चना कर रहे हैं।

वहीं, कई जगहों पर भगवान शिव की आकर्षक झांकियां भी सजाई गई है। दरअसल, 31 साल बाद बन रहे त्रियोग योग में शिव आराधना का विशेष महत्व बताया जा रहा है।

शहर के सरकंडा के सीपत चौक स्थित बघवा मंदिर के साथ ही जोरापारा चौक के पास नंदीश्वर महादेव, हरदेव लाल मंदिर, सत्यम चौक मसानगंज स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर सहित शिव मंदिरों में सुबह से विशेष पूजा-आराधना चल रही है। महाशिवरात्रि पर्व पर शहर में उत्सव भी चल रहा है। इस दौरान मंदिरों में भक्तों की लाइन लगी है, हर कोई जलाभिषेक भगवान भोलेनाथ की पूजा-आराधना करते नजर आ रहे हैं। जगह-जगह भगवान शिव की अलग-अलग झांकियां सजाई गई है। वहीं भक्तों के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

छत्तीसगढ़ का केदारनाथ है पातालेश्वर शिव: शहर ही नहीं आसपास के गांव में भी महाशिवरात्रि पर्व की धूम मची है। खास तौर पर बिलासपुर से 25 किलोमीटर दूर मल्हार स्थित प्राचीन और आस्था के बड़े केंद्र पातालेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महादेव के जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। भगवान महादेव यहां भूगर्भ में विराजमान हैं। पातालेश्वर महादेव को केदारेश्वर भी कहा जाता है। विशेष तौर पर काले चमकीले पत्थर से बनी शिवलिंग यहां गौमुख आकृति की है। मान्यता है कि यहां शिवलिंग की जलहरी में डाला गया जल सीधे पाताल लोक में जाता है। यहां के मंदिर में 108 कोण भी बने हुए हैं। मान्यता यह भी है, जो भी श्रद्धालु यहां मनोकामना लेकर आता है, महादेव उसकी हर मनोकामना पूर्ण करते हैं।

40 किलो बर्फ से बना बर्फानी बाबा: सरकंडा के श्रीविहार में प्रजापिता ब्रम्हकुमारी की ओर से 24 फीट के शिवलिंग के साथ 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें 1001 बेलपत्र से शिवलिंग भी बनाई गई है। इसके साथ ही 101 नारियल, कांच के ग्लास और 40 किलो के बर्फ से बर्फानी शिवलिंग बनाया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

चांटीडीह में शुरू हुआ तीन दिवसीय मेला: चांटीडीह स्थित शिव मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी महाशिवरात्रि पर्व से तीन दिवसीय मेला शुरू हो गया है। यहां भी श्रद्धालु सुबह से मंदिर में पहुंच रहे हैं। दोपहर में भी लोगों की भीड़ लगी रही। अपनी-अपनी मनोकामना लेकर पहुंचे भक्तों ने भोलेनाथ की पूजा-आराधना कर जलाभिषेक किया।

सिरगिट्टी में है स्वयंभू शिवलिंग: शहर से लगे सिरगिट्टी के स्वयंभू शिव मंदिर में भी कुछ इसी तरह का नजारा देखने को मिल रहा है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। साथ ही भगवान शिव को जल अर्पित कर विशेष पूजा आराधना की जा रही है।

पत्नी को तलाक देकर साली से की शादी, 20 साल पहले हुआ था निकाह

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से तीन तलाक का मामला सामने आया है। जहां शादी के 20 साल बाद पति ने तीन तलाक कहकर पत्नी के छोटी बहन से निकाह कर लिया। वहीं समाज की बैठक में भी न्याय नहीं मिलने के बाद पीड़िता आरिफा खातून ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामले में दोनों पक्ष से एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस के मुताबिक, छोटी बहन आईशा खातून ने प्रेम संबंध का हवाला देते हुए निकाह किए जाने की बात कही और बहन पर मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट लिखवाई।

सरकार बोली- दागी नेताओं को ताउम्र बैन करना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के खिलाफ है। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में इसका विरोध किया। कहा कि 6 साल के लिए डिसक्वालिफिकेशन पर्याप्त है। इस तरह की अयोग्यता लागू करना पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में दोषी नेताओं के खिलाफ आजीवन बैन लगाने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। केंद्र ने कहा, %याचिका की मांग कानून को दोबारा लिखने या संसद को किसी खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के जैसी है। ये पूरी तरह से न्यायिक समीक्षा की शक्तियों के विपरीत है। वकील अश्विनी उपाध्याय ने 2016 में जनहित याचिका लगाई थी, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई। उन्होंने पूछा था कि राजनीति पार्टियों को यह बताना चाहिए कि आखिर वे अच्छे छवि वाले लोगों को क्यों नहीं खोज पाते हैं। इसमें कहा गया कि देश में सांसदों-विधायकों के खिलाफ क्रिमिनल केसों को जल्द खत्म किया जाए और दोषी राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए।

उद्धव की शिवसेना के मुखपत्र में मोदी-फडणवीस की तारीफ

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना उद्धव के मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री मोदी और महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की गई है। लेकिन डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा गया है। मुखपत्र में महाराष्ट्र के इंफ्रॉस्ट्रक्चर, भ्रष्टाचार और पॉलिटिक्स पर लिखा गया है। मुखपत्र में लिखा गया- एकनाथ शिंदे का पैसे जमा करने वाला मुख्य व्यक्ति 10 हजार करोड़ लेकर दुबई भाग गया। क्योंकि फडनवीस ने राज्य में गलत काम करने वालों को साफ करने का फैसला लिया है। शिंदे के सीएम रहने के दौरान हुए काले कारनामों को खत्म करने का पवित्र कार्य शुरू हो गया है। सामना में लिखा गया है कि सीएम फडणवीस ने मंत्रियों ने उनके ओ एसडीऔर पीएस नियुक्त करने का अधिकार छीनकर उचित कदम उठाया है। डिसिप्लिन लाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। सीएम फडणवीस ने जो काम हाथ में लिया है वह आसान नहीं है। क्योंकि फसल पर का दाढ़ी वाला दीमक कह रहा है- मुझे हल्के में मत लो। फिक्सरों के मारे सिक्सर को रोकना ही होगा। देवेंद्र फडणवीस ने शासन में अनुशासन लाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। पिछले 3 सालों में भ्रष्टाचार का गटर बहता रहा। जिसके चलते महाराष्ट्र जैसे राज्य की राजनीति सड़ गई। आर्थिक अनुशासनहीनता चरम पर पहुंच गई।

महाशिवरात्रि पर हजारीबाग में 2 समुदायों में झड़प, कई घायल

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग में बुधवार को महाशिवरात्रि पर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी और आगजनी की गई। इस घटना में दोनों पक्षों से कई लोग घायल हुए हैं। उपद्रवियों ने तीन बाइक, एक दुकान और एक कार को आग के हवाले कर दिया। एक ऑटो में भी तोड़ फोड़ की गई है। वहीं, प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने को लेकर हल्का लाठीचार्ज भी किया। घटना इचाक प्रखंड के डुमरौन गांव की है।

सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए संत समाज हरसंभव प्रयास करे–राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह महोत्सव हुआ। भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित सामूहिक विवाह में दाम्पत्य सूत्र में बंध रहे जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज को जागरूक करने के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहल सराहनीय है। गुरूनानक देवजी, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे

कई संतों ने अपने उपदेशों से छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने का संदेश दिया है। समाज को सन्मार्ग दिखाने की संत परम्परा के इस उद्देश्य को बागेश्वर धाम प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के सम्मुख जोड़ों की वरमाला रस्म संपन्न हुई, उन्होंने प्रतीक स्वरूप 3 जोड़ों को उपहार भेंट किए। श्री बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुईं 251 बेटियों में से 108 बेटियां जनजातीय समुदाय की हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के बागेश्वर धाम पहुंचने पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अंगवस्त्रम और तुलसी की माला भेंट कर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान यंत्र, बालाजी सरकार का विग्रह, धाम से जुड़ा साहित्य और स्मृति चिन्ह भी भेंट किये। इस अवसर पर धाम द्वारा आयोजित छठे सामूहिक विवाह महोत्सव पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन हुआ। समारोह में खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश वुमेन लेड डेवलपमेंट को लेकर अग्रसर है। ऐसे समय में बेटियों को सबल और सशक्त बनाने में सहयोग करना समाज और सरकार का कर्तव्य है। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने के लिए जन-जन को प्रतिबद्ध होना होगा।

केजरीवाल को पंजाब से राज्यसभा भेजने की अटकलें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कैंडिडेट बनाया है। पार्टी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। कांग्रेस और भाजपा का दावा है कि आप संजीव अरोड़ा की जगह अब अरविंद केजरीवाल को राज्यसभा भेजेगी। कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा ने कहा कि केजरीवाल ने सांसद अरोड़ा से कैबिनेट में जगह देने का सौदा किया है। इस साजिश से पता चलता है कि केजरीवाल एक दिन भी सत्ता के बिना नहीं रह सकते। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी संजीव

अरोड़ा की उम्मीदवारी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा- क्या इस कदम का उद्देश्य अरविंद केजरीवाल के लिए पंजाब से राज्यसभा में नामांकन का रास्ता साफ करना है। क्या यह बेहतर नहीं होगा कि केजरीवाल के बजाय पंजाब से कोई व्यक्ति राज्य का प्रतिनिधित्व करे। कांग्रेस और भाजपा के दावों को आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने खारिज कर दिया है। प्रियंका ने कहा- अरविंद केजरीवाल न पंजाब के सीएम बन रहे हैं और न ही राज्यसभा जा रहे हैं। दोनों बातें बिल्कुल गलत हैं।

अरविंद केजरीवाल आप का सबसे बड़ा चेहरा हैं। दिल्ली में चुनाव हारने के बाद अब वह सिर्फ पार्टी के संयोजक हैं। ‚क्क ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष बनाया है। ऐसे में संजीव अरोड़ा के विधानसभा जाने के बाद उनकी जगह केजरीवाल राज्यसभा जा सकते हैं। राज्यसभा में जाकर वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

महाशिवरात्रि पर 12 ज्योतिर्लिंग समेत सभी शिव मंदिरों में भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर (महाकाल मंदिर) के पट मंगलवार रात 2.30 बजे खुले। सुबह 4 बजे मंगला आरती की गई। अगले 44 घंटे तक भक्त बिना अनुमति के भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर मंगला आरती के बाद सुबह 3.30 बजे से श्रद्धालुओं के लिए लगातार 69 घंटे के लिए खोला गया है। चारों पहर की आरती के दौरान भी श्री काशी विश्वनाथ महादेव का झांकी दर्शन चलता रहेगा। सप्तऋषि और श्रृंगार आरती नहीं होगी। गुजरात में प्रथम ज्योतिर्लिंग श्री सोमनाथ महादेव मंदिर आज सुबह 4 बजे से लगातार 42 घंटे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला है। वहीं झारखंड के देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ मंदिर में 2 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। यहां सुबह से भी भक्तों की लंबी लाइन लगी हुई है। तमिलनाडु के कोयंबटूर में सद्गुरु जग्गी वासुदेव

के ईशा योग सेंटर पर महाशिवरात्रि को लेकर खास तैयारी की गई है। यहां शाम को भव्य कार्यक्रम होगा। इसमें विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी शामिल होंगे।

महाकुंभ- दुनिया के सबसे बड़े आयोजन का आखिरी दिन

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का आज आखिरी दिन है। पिछले 44 दिन में 65 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। ये आंकड़ा अमेरिका की आबादी (करीब 34 करोड़) से दोगुना है। महाशिवरात्रि पर्व स्नान के साथ ही 45 दिनों तक चले महाकुंभ का समापन हो जाएगा। एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने भी महाकुंभ जाने का वीडियो शेयर किया।

लिखा- जो अनुभव हुआ, उसे बता नहीं सकती। आज शाम 6 बजे तक 1.44 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। महाशिवरात्रि पर 3 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यानी, कुल आंकड़ा 66 से 67 करोड़ तक पहुंच जाएगा। वहीं, महाकुंभ में ड्यूटी कर रहे एक सफाई कर्मचारी ने अपना गला काट लिया। ड्यूटी के दौरान ही वह शौचालय में गया और चाकू अपने गले में मार लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर है संगम में डुबकी लगाने वालों की यह संख्या 193 देशों की जनसंख्या से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ आए श्रद्धालुओं से ज्यादा है।

योगी सरकार ने दावा किया कि दुनिया में हिंदुओं की आधी आबादी के बराबर लोग यहां आए हैं। महाकुंभ में आखिरी स्नान को देखते हुए प्रयागराज शहर में 25 फरवरी की शाम से वाहनों की नो-एंट्री कर दी गई है।

राजौरी में सेना की गाड़ी पर आतंकी हमला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में स्मष्ट के पास बुधवार दोपहर सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमला सुंदरबनी इलाके के फाल गांव में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सेना का वाहन आतंकियों के इलाके से गुजर रहा था, इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने कुछ राउंड फायर किए। उन्होंने बताया कि हमले में किसी जवान के घायल होने की खबर नहीं है। पूरे इलाके की घेराबंदी

कर दी गई है। एक्स्ट्रा फोर्स को मौके पर भेजा गया है। आतंकियों के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के मुताबिक जिस जगह पर हमला हुआ, वह इलाका आतंकियों की घुसपैठ का पारंपरिक रास्ता माना जाता है। 7 फरवरी को जानकारी सामने आई थी कि भारतीय सेना ने 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था। घटना 4 फरवरी की रात पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास हुई थी, जब पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में स्मष्ट के पास घुसपैठ की कोशिश की गई थी। सूत्रों ने दावा किया था कि भारतीय सेना की फॉरवर्ड पोस्ट पर हमले की प्लानिंग थी। इसकी सूचना इंडियन आर्मी को मिली और उन्होंने पहले ही हमला कर साजिश को नाकाम कर दिया।

मणिपुर में 7 जिलों के लोगों ने हथियार सरेंडर किए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद से ही हथियारों का सरेंडर जारी है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं। इंफाल ईस्ट, बिश्नुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं इधर, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मैतेई सशस्त्र समूह अरामबाई तेंगगोल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कहा- राज्यपाल ने उन्हें राज्य में शांति और स्थिति को सामान्य करने के लिए मदद को कहा है। हथियारों के सरेंडर को लेकर कुछ शर्तों पर चर्चा हुई है।

मणिपुर में 13 फरवरी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगाया। यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद लिया गया।

बिहार में चुनाव से 7 महीने पहले मंत्रिमंडल विस्तार

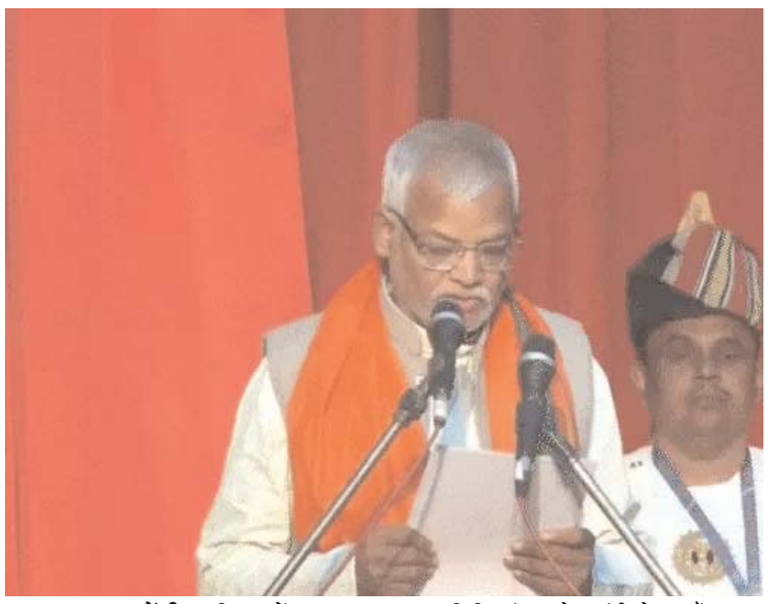

पटना (एजेंसी)। बिहार में अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से 7 महीने पहले बुधवार को नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। 7 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इनमें से 4 मिथिलांचल इलाके से हैं। इन्हें मिलाकर अब मिथिलांचल से 6 मंत्री हो गए हैं। आज मंत्री बनाए गए सभी विधायक भाजपा के हैं। इनमें 3 पिछड़े, 2 अति पिछड़े और 2 सवर्ण समुदाय से हैं। राज्य में एनडीए सरकार का 13 महीने में यह तीसरा विस्तार है। नीतीश सरकार में अब 36 मंत्री हैं। इनमें भाजपा के 21, जेडीयू के 13, बाकी एक हम से और एक निर्दलीय हैं। दरभंगा से भाजपा विधायक संजय सरावगी ने सबसे पहले शपथ ली।

इसके बाद सुनील कुमार (बिहार शरीफ), जीवेश मिश्रा (जाले), राजू सिंह (साहेबगंज), मोतिलाल प्रसाद (रीगा), कृष्ण कुमार उर्फ मंटू (अमनौर), विजय मंडल (सिकटी) मंत्री बने। बिहार में कुल 243 सीटें हैं। एनडीए के पास 131 सीटें हैं। इनमें से 40 सीटें मिथिलांचल से हैं। इसलिए मिथिलांचल को एनडीए का गढ़ कहा जाता है। मिथिलांचल के 6 जिलों (सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली) में 60 सीटें आती हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से एनडीए को 40 सीटें मिली थीं। आगामी चुनाव को देखते हुए यहां से 4 विधायक मंत्री बनाए गए हैं। कैबिनेट में मिथिलांचल के कुढ़नी से केदार प्रसाद गुप्ता और एमएलसी हरि सहनी पहले से ही मंत्री हैं। इस हिसाब से कैबिनेट में 6 मंत्री मिथिलांचल के हो गए हैं।

दिल्ली विधानसभा सत्र 3 मार्च तक बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा सत्र को 3 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। पहले 24 फरवरी को शुरू हुआ सत्र 27 फरवरी को खत्म होने वाला था। विधानसभा स्पीकर विजेंदर गुप्ता ने कहा- हम सदन में जितनी संभव हो सके उतनी ष्टत्र रिपोर्ट पेश करेंगे। अब विधानसभा सत्र 4 दिन के लिए बढ़ गया है। आगे उन्होंने बताया कि सरकार और विपक्ष दोनों दलों के 12-14 सदस्यों वाली एक पब्लिक अकाउंट्स कमेटी बनाई जाएगी। सदन में चर्चा के बाद रिपोर्ट्स को पीएसी के पास भेजा जाएगा। कमेटी की फाइंडिंग्स मिलने के बाद सदन उचित कार्रवाई करेगा। दिल्ली विधानसभा में 25 फरवरी को नई शराब नीति पर कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया की

रिपोर्ट पेश हुई। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने यह रिपोर्ट 25 फरवरी को पेश की। यह ऑडिट 2017-18 से 2020-21 तक का है। इसके मुताबिक, दिल्ली की शराब नीति बदलने से 2,002 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। शराब नीति में कुछ थोक विक्रेताओं और निर्माताओं में 'विशेष व्यवस्था' से मोनोपॉली और ब्रांड प्रमोशन का खतरा पैदा हुआ। आप सरकार ने 10 साल से कैग की 14 रिपोर्ट सदन में पेश नहीं कीं। 71 प्रतिशत आपूर्ति 3 थोक विक्रेताओं के कब्जे में थी कैग रिपोर्ट के अनुसार, तीन थोक विक्रेताओं ने कुल शराब आपूर्ति का 71त्न हिस्सा नियंत्रित कर लिया। इनका कमीशन 5त्न से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किया। वहीं, गैर-अनुरूप क्षेत्रों में शराब की दुकानों के लिए समय पर अनुमति न लेने से 941.53 करोड़ का राजस्व नुकसान हुआ। विधानसभा में आबकारी ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई। इसके सात अध्याय 2017-21 की आबकारी नीति पर हैं। एक अध्याय नई आबकारी नीति पर है। दिल्ली सरकार ने पुरानी आबकारी नीति की खामियों और भ्रष्टाचार को दिल्ली की जनता के सामने उजागर किया था। उस नीति के तहत हरियाणा और यूपी से अवैध रूप से शराब लाई जाती थी। यह रिपोर्ट वही बात दोहरा रही है जो हमने कहा था कि पुरानी नीति के कारण दिल्ली की जनता को घाटा हो रहा है। इस नीति से यह स्पष्ट होता है कि पुरानी नीति को हटाकर आप सरकार ने सही फैसला लिया।

ऑस्ट्रेलियाई महान दिग्गज का दावा, विराट कोहली को बताया वनडे क्रिकेट का महान खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 मैच में भारत के लिए विराट कोहली सबसे बड़े हीरो रहे हैं। उन्होंने बेहतरीन शतक जड़कर एक दबाव भरे मैच में टीम इंडिया को जीत दिलाई। विराट के बल्ले से 51वां वनडे इंटरनेशनल शतक निकाला। इस पारी को देखकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग भी हैरान रह गए और उन्होंने विराट की जमकर तारीफ की। रिकी पोंटिंग ने यहां तक कह दिया कि इस फॉर्मेट में उनसे बेहतर कोई भी खिलाड़ी नहीं है। दरअसल, आईसीसी रिव्यू में रिकी पोंटिंग ने अहम पलों में आगे आकर खेलने की कोहली की क्षमता और इस दौरान ढेर सारे रिकॉर्ड तोड़ने की उनकी सराहना की है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम हासिल कर चुके पोंटिंग ने कहा कि, मैंने हमेशा कहा है कि बड़े नामों के बराबर होते हैं। आपको उन बड़े मौकों पर अपने बड़े नामों को खड़ा करने की जरूरत होती है और भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बड़ा कोई मैच नहीं हो सकता। आपकी प्रतिष्ठा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में आपके प्रदर्शन से बनती है। इसलिए मेरे लिए ये कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ऐसा हुआ है। विराट कोहली को लेकर पोंटिंग ने कहा कि, हां जैसा कि आप कहते हैं, 2022 और अब, वह उस टीम के खिलाफ खड़ा हुआ जिसके खिलाफ खेलने के लिए वह शायद खुद को सबसे ज्यादा तैयार करेगा और कल रात से बड़ा कोई पल नहीं था।

फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण विदर्भ का केरल पर पलड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की शानदार फार्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण पूर्व चैंपियन विदर्भ की टीम केरल के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। अक्षय वाडकर की अगुवाई वाली विदर्भ की टीम ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है।

उसने अब तक अपने नौ मैचों में से आठ में जीत हासिल की है और एक ड्रा खेला है। विदर्भ ने ग्रुप चरण में सात मैचों में छह मैच में जीत हासिल की। इसके बाद उसने क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु को 198 रन से और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन के बड़े अंतर से हराया। विदर्भ 2017-18 और 2018-19 में रणजी चैंपियन बना था जबकि केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। विदर्भ की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। वह पिछले साल फाइनल में मुंबई से हार गई थी जिसकी भरपाई वह इस साल करना चाहेगी। विदर्भ की टीम ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। वह इस साल विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में भी पहुंची थी। विदर्भ के बल्लेबाजों ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 58.13 की औसत से 933 रन बनाए हैं जिसने पांच शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान वाडकर ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उन्होंने 48.14 की औसत से 674 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले मोहम्मद शमी के लिए इस दिग्गज ने कर दी ये मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर अपने अभियान का आगाज किया। इसके बाद रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने पाकिस्तान को मात दी। इस तरह भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। हालांकि, टीम इंडिया अपना आखिरी लीग स्टेड मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 2 मार्च को खेला जाएगा। वहीं इस मैच से पहले इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉफ ने भारत की प्लेइंग इलेवन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, डेरेन गॉफी का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मोहम्मद शमी को आराम देना चाहिए। शमी की जगह प्लेइंग इलेवन में किसी स्पिनर को शामिल किया जा सकता है। डेरेन ने कहा कि, भारतीय टीम मैनेजमेंट मोहम्मद शमी को न्यूजीलैंड के खिलाफ आराम देने पर विचार कर सकती है, ताकि किसी तरह की इंजरी को टाला जा सके। दरअसल, पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद श्रेयस अय्यर ने शमी की फिटनेस पर रिएक्शन दिया था। उस दौरान अय्यर ने कहा था कि शमी पूरी तरह फिट हैं। वहीं डेरेन गॉफ का मानना है कि भारतीय टीम प्लेइंग इलेवन में शमी की जगह किसी स्पिनर के साथ उतरना चाहिए, क्योंकि इस पिच पर स्पिनरों के लिए मदद है। डेरेन गॉफ ने कहा कि लाहौर में पिच जरूर फ्लैट है।

सेमीफाइनल में किससे होगा भारत का सामना, टीम इंडिया कब खेलेगी नॉकआउट मुकाबला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रही है। अपने पहले मैच में बांग्लादेश और फिर पाकिस्तान को हराने के बाद भारत सेमीफाइनल में क्वालीफाई कर चुका है। ग्रुप ए के मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराते ही न्यूजीलैंड ने अपने साथ-साथ भारत को भी सेमीफाइनल में एंट्री दिला दी है। वहीं अब सवाल ये है कि भारत आखिर सेमीफाइनल में किस टीम से टकराएगा?

भारत का अगला मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। अगर भारत ये मैच जीत जाता है तो ग्रुप में टॉप पर रहेगा और ग्रुप क्र की दूसरे नंबर की टीम से सेमीफाइनल खेलेगा। ग्रुप क्र में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान टीमें हैं।

वहीं अगर भारत ग्रुप राउंड का आखिरी मैच न्यूजीलैंड से हार जाता है तो ग्रुप में दूसरे नंबर पर रहेगा और इस तरह उसे ग्रुप क्र के टेबल टॉपर से सेमीफाइनल खेलना होगा। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के 2-2 अंक हैं और अगर ये टीमें अपने बाकी बचे मुकाबले जीत जाती हैं तो ग्रुप क्र से सेमीफाइनल में जगह बना सकती हैं।

भारत अपना सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलेगा। न्यूजीलैंड ने 24 फरवरी को रावलपिंडी में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया है। रचिन रविंद्र के शतक और टॉम लैथम ने फिफ्टी जड़ी और टीम को जीत दिलाई। बांग्लादेश की तरफ से नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए, लेकिन ये जीत के लिए नाकाफी साबित हुए।

अगर बारिश की वजह से रद्द हो गया ऑस्ट्रेलिया- दक्षिण अफ्रीक मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सातवें मैच में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की भिड़ंत होनी है। लेकिन रावलपिंडी में हो रही बारिश के कारण मुकाबला अभी तक भी शुरू नहीं हो पाया है। ये ग्रुप बी का मैच सेमीफाइनल की रेस पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका, दोनों अपना-अपना पहला मैच जीतकर आ रही हैं और इस मैच में जीत से कई एक टीम सेमीफाइनल के बहुत करीब आ जाएगी। लेकिन मौसम खराब के कारण मुकाबला ड्रॉ रहने की संभावनाएं हैं। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका का मैच ड्रॉ होता है तो सेमीफाइनल का समीकरण क्या होगा? तो बता दें कि,

अगर ये मुकाबला ड्रॉ होता है तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिल जाएगा। इससे दो-दो मैच खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के तीन-तीन अंक हो जाएंगे। अगर इस मैच में कोई टीम विजयी रहती है तो उसकी सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की हो जाएगी। लेकिन ड्रॉ रहने की स्थिति में ग्रुप बी में सेमीफाइनल की रेस अंतिम मुकाबले तक चल सकती है।

इंग्लैंड और अफगानिस्तान अपना-अपना पहला मैच हार चुके हैं। अगर साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का मैच ड्रॉ रहता है तो इंग्लैंड- अफगानिस्तान को सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें अगले दोनों मैचों में जीत मिले क्योंकि ऐसा करके उनके 4 अंक हो जाएंगे। एक गौर करने वाली बात ये भी है कि आज का मैच ड्रॉ रहने का अफगानिस्तान और इंग्लैंड में से किसी एक टीम का चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होना तय हो जाएगा। क्योंकि उनका आपस में मैच होना अभी बाकी है।

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका मैच ड्रॉ हुआ, वहीं इंग्लैंड या अफगानिस्तान में से कोई टीम अपने अगले दोनों मैच जीत लेती है तो फिलहाल टॉप-2 में मौजूद ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में से कोई एक टीम बाहर हो सकती है।

फिलहाल बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुके हैं।

आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े मैथ्यू मॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने आगामी आईपीएल के लिए मैथ्यू मॉट को असिस्टेंट नियुक्त किया है। टीम ने आधिकारिक तौर पर उनके नाम की घोषणा की है। इंग्लैंड के पूर्व हेड कोच मैथ्यू का पिछला रिकॉर्ड बेहतरीन रहा है।

वहीं दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल के पहले सीजन से खेल रहे ही है लेकिन अभी भी उसके खिताब का सूखा खत्म नहीं हुआ है। टीम ने इस आईपीएल सीजन के लिए कई बदलाव किए हैं जिसमें कप्तान ऋषभ पंत को बाहर करना भी शामिल है। टीम ने ऑक्शन में केएल राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा है। टीम राहुल को अपना कप्तान भी बना सकती है। वहीं मैथ्यू मॉट को बतौर असिस्टेंट कोच नियुक्त करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स को उम्मीद होगी की टीम इस सीजन अच्छा करेगी और शायद अपना पहला आईपीएल खिताब भी जीतेगी।

मैथ्यू को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने मई 2022 को सिमित ओवरों के लिए अपनी पुरुष टीम का कोच नियुक्त किया था। इससे पहले 7 सालों तक ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के साथ रहकर उन्होंने कई रिकॉर्ड बनाए थे। उनकी कोचिंग में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने 2 टी20 वर्ल्ड कप, एक ओडीआई वर्ल्ड कप और 4 एशेज सीरीज जीती हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया टीम ने लगातार 26 मैच जीतने का भी रिकॉर्ड बनाया था।

दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च से करेगी। उसका पहला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ है। दिल्ली कैपिटल्स अपने शुरुआती दो मैच विशाखापट्नम में खेलेगी इसके बाद टीम के सभी मैच होम ग्राउंड यानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेले जाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होते ही पाकिस्तान पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर मुश्किल में है और इस बार चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होती ही टीम के लिए स्पॉन्सर तलाशना भी असंभव नजर आ रहा है। कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान को 6 विकेट से रौंदा था फिर न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराकर खुद तो सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया ही भारत भी टॉप-4 में पहुंच गया। इसी के साथ ग्रुप ए से पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर हो गए। भारत से हारने से एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया- इंग्लैंड मैच के लिए गद्दाफी स्टेडियम में लोगों की शानदार भीड़ को देखकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी आत्मविश्वास से भरे हुए थे। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि, लोगों की प्रतिक्रिया और पाकिस्तान से इतर मैच का आनंद लेते देखना एक उत्साहवर्धक अनुभव था। 1996 के विश्व कप के बाद पाकिस्तान पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा था। फैंस को उम्मीद थी कि आठ टीमों की इस प्रतियोगिता में घरेलू टीम टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब पीसीबी के सामने एक समस्या ये भी है कि पाकिस्तान में बचे हुए मैच में दर्शकों की भीड़ स्टेडियम पहुंचती है या नहीं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के वाणिज्यिक इकाई के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में नहीं भी खेलता है तो भी पीसीबी को वित्तीय रूप से कोई बड़ा झटका नहीं लगेगा क्योंकि केवल गेट पर्ची और मैदान की आय के अन्य स्त्रोत ही प्रभावित होंगे, लेकिन संकटग्रस्त टीम की ब्रांड वैल्यू पर असर पड़ने वाला है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि, हमें मेजबानी शुल्क टिकट बिक्री सहित आईसीसी राजस्व में हमारा हिस्सा मिलने की गारंटी है, लेकिन अन्य मुद्दे भी हैं जैसे कि लोगों का इस बड़े टूर्नामेंट में रुचि खत्म होना और प्रसारणकर्ता द्वारा आधे भरे हुए स्टेडियम दिखाना आदि। और सबसे बड़ी चिंता ये है कि यहां क्रिकेट के प्रति दीवानगी के बावजूद भविष्य में पाकिस्तान क्रिकेट को एक ब्रांड के रूप में बेचना आसान नहीं होगा।

धोनी जैसा करिश्माई कप्तान भी पाकिस्तान की इस टीम की किस्मत नहीं बदल सकता- सना मीर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से जल्दी बाहर होने वाली अपने देश की पुरुष टीम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यहां तक कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा करिश्माई कप्तान भी इस पाकिस्तानी टीम की किस्मत नहीं बदल सकता है। पाकिस्तान की टीम को अपने पहले दो मैच में न्यूजीलैंड और भारत से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ से बाहर हो गई। उसे अपने आखिरी मैच में अब बांग्लादेश का सामना करना है।

सना ने 'गेम ऑन है' कार्यक्रम में कहा, ''चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जिन 15 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, उसे देखते हुए अगर आप महेंद्र सिंह धोनी या

(पाकिस्तान के पूर्व कप्तान) यूनिस खान को भी कमान सौंप दो तब भी कुछ नहीं होने वाला क्योंकि टीम का चयन खेल की परिस्थितियों को देखकर नहीं किया गया है।'' मोहम्मद रिजवान की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को भारत से छह विकेट से हार झेलने के बाद लगातार आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

क्रिकेटर से कमेंटेटर बनी 39 वर्षीय सना ने कहा, ''मैं मैच देख रही थी तो तब मेरे एक दोस्त का फोन आया कि भारत ने दो विकेट पर 100 रन बना लिए हैं मुझे लगता है कि मैच खत्म हो गया है। मैंने उससे कहा कि पाकिस्तान का खेल तो तभी खत्म हो गया था जब टीम घोषित की गई थी।'' पाकिस्तान की तरफ से सीमित ओवरों के 300 से अधिक मैच खेलने वाली सनाने कहा कि टीम का चयन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नहीं किया गया। उन्होंने कहा, ''मैं शुरू से कह रही हूं कि टीम की घोषणा होने के साथ ही हमारी आधी हार सुनिश्चित हो गई थी। जब पाकिस्तान को पता था कि हमें कम से कम एक मैच दुबई में खेलना है तो फिर टीम में दो पार्ट टाइम स्पिनर क्यों रखे गए।

पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने से पीसीबी निराश और नाराज, लेकिन टूर्नामेंट के अंत तक कोई कार्रवाई नहीं

कराची (एजेंसी)। चैंपियन्स ट्रॉफी से राष्ट्रीय टीम के जल्दी बाहर होने से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में काफी निराशा और नाराजगी है लेकिन उसने नौ मार्च को टूर्नामेंट के अंत तक टीम के मामलों पर चुप रहने का फैसला किया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि अधिकारी टूर्नामेंट में टीम के प्रदर्शन से आहत हैं। सूत्र ने कहा, ''लेकिन बड़े परिदृश्य को देखते हुए जो चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी है और यह सुनिश्चित करना है कि यह मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सकारात्मक प्रचार लाए, टीम के प्रदर्शन पर अभी कुछ भी नहीं कहने का फैसला किया गया है।'' सूत्र ने कहा कि आंतरिक रूप से टीम, चयन या भविष्य की योजनाओं पर चर्चा नहीं करने पर सहमति बनी है क्योंकि यह केवल टूर्नामेंट से ध्यान भटकाएगा और पाकिस्तान क्रिकेट के लिए 'नकारात्मक सुर्खियां'

लाएगा। सत्र ने कहा, ''बोर्ड नेतृत्व को भी अहसास है कि प्रतियोगिता में टीम में लचर प्रदर्शन के लिए कोई बहाना या बचाव नहीं दिया जा सकता है।'' सूत्र ने बताया कि पीसीबी चैंपियन्स ट्रॉफी की सफल मेजबानी को पाकिस्तान में और अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को लाने के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है, भले ही टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए उसे कई बाधाओं का सामना करना पड़ा हो। हालांकि सूत्र ने स्वीकार किया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इसकी पूरी समीक्षा की जाएगी कि कैसे और कहां चीजें गलत हुईं।

सूत्र ने कहा, ''पाकिस्तान को 15 मार्च से न्यूजीलैंड में सफेद गेंद की श्रृंखला खेलनी है और अंतरिम मुख्य कोच के रूप में आकिब जावेद का अनुबंध 27 फरवरी को समाप्त हो जाएगा जब पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगा।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए निश्चित रूप से बोर्ड को न्यूजीलैंड दौरे के लिए मुख्य कोच चुनना होगा लेकिन यह नियुक्ति अंतरिम प्रकृति की भी हो सकती है। राष्ट्रीय हाई परफोर्मेंस केंद्र से कोई व्यक्ति हो सकता है क्योंकि पीसीबी ने स्थायी मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की है।'' सूत्र ने कहा कि पीसीबी इस साल अगस्त से अगले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत से पहले नए मुख्य कोच की नियुक्ति करेगा।

बस ने बाइक को मारी टक्कर

बेकाबू होकर रॉन्ग साइड आई, चपेट में आने से एक बाइकर की मौत, दूसरा गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-चित्रकूट मार्ग पर बुधवार को दुदुआर मोड़ के पास एक तेज रफ्तार बस ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में बाइक सवार 28 वर्षीय राजललन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथी 32 वर्षीय राजेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मझगवां पुलिस के अनुसार, बस सतना से चित्रकूट की तरफ जा रही थी। बाइक सवार किटहा मोड़ से सतना की ओर आ रहे थे। बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी गलत साइड में चली गई। इस दौरान बस ने बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है।

बिरसिंहपुर में शराबी युवकों का हंगामा

बीच सड़क बस रोककर कंडक्टर से की मारपीट, पुलिस मूकदर्शक बनी रही

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के बिरसिंहपुर में अस्पताल तिराहे पर शराब के नशे में दो युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने बीच सड़क पर एक बस को रोक लिया। इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर से मारपीट शुरू कर दी।

गहरवार बस के कंडक्टर गुलाब पयासी के साथ युवकों ने बुरी तरह हाथापाई की। बुजुर्ग कर्मचारी के साथ मारपीट देख बस के अन्य स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर शराबी युवकों को खदेड़ा। स्टाफ ने युवकों की पिटाई भी की।

पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई: हंगामे के दौरान सभापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। घटना से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई। मामले की जांच जारी है, लेकिन आरोपियों के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

श्री संतधाम में उमड़ा आस्था का जन् सैलाब

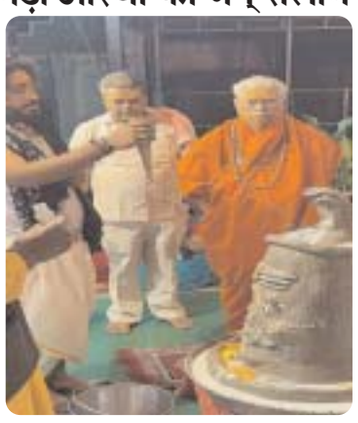

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महाशिवरात्रि के महापर्व पर सिन्धी कॉलोनी स्थित श्री संतधाम में महाशिवरात्रि का पर्व महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रात्रि 12:00 बजे से श्री संतधाम परिसर में शिवोत्सव [श्री शिव जागरण] का भव्य आयोजन किया जिसमें शिवम पाण्डे जी ने अपने शानदार गीतों से भक्तों का मनमोह लिया रात्रि में ही शिवकीर्तन पार्थिक शिवलिंग रुद्राभिषेक विशाल भस्मारती का आयोजन किया गया रात्रि में स्वामी जी के शिष्य ओमप्रकाश उदासी जी भव्य पार्थिक शिवलिंग निर्माण कर उनको महाकाल का रूप दिया एवं शिवभक्तों द्वारा 1100 शिवलिंगों का निर्माण किया गया।

आश्रम के सेवादारी विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया 26 फरवरी बुधवार को प्रातः से ही आश्रम में भक्तों का जनसैलाब उमड़पड़ा आश्रम में स्थापित मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था प्रातः महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के साथ भक्तगणो ने मंदिर में भोलेनाथ की पूजा अर्चना की व प्रसाद का वितरण किया गया

महाशिवरात्रि पर चित्रकूट में नई परंपरा

मंदाकिनी नदी में साधु-संतों ने किया शाही स्नान, हाथी-घोड़ों संग निकली शोभायात्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रयागराज महाकुंभ की तर्ज पर एक नई परंपरा की शुरुआत हुई। साधु-संतों ने पवित्र मंदाकिनी नदी के रामघाट पर शाही स्नान किया। विरक्त संत मंडल के आह्वान पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय से रामघाट तक शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा में हाथी, घोड़े और बैंड-बाजे शामिल थे। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया। संत मदन गोपाल दास ने इस नई परंपरा के बारे में बताया कि महाकुंभ में यह चर्चा का विषय था कि सभी तीर्थ प्रयागराज जाते हैं, लेकिन चित्रकूटी वहां नहीं जाते। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि चित्रकूट में ही शाही स्नान का आयोजन किया जाए। उन्होंने बताया कि चित्रकूट में भी प्रयागराज की तरह तीन नदियों - मंदाकिनी, पैस्वानी और सरयू का संगम है।

मंदाकिनी नदी में शाही स्नान एक नई शुरुआत: छत्तीसगढ़ के राजिम की तरह अब कई स्थानों पर कुंभ जैसे आयोजन होने लगे हैं। संतों का मानना है कि यह उनकी परंपरा है। संत सनकादिक जी महाराज ने कहा कि मंदाकिनी नदी में शाही स्नान का यह आयोजन एक नई शुरुआत है।

बीजेपी मंडल अध्यक्ष और महिला सीएमओ में बहस

कार्यक्रम के दौरान हुआ विवाद, अधिकारी ने लगाया अभद्रता का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के कोठी भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी और नपा सीएमओ पूजा द्विवेदी के बीच बुधवार को एक कार्यक्रम में तीखी बहस हो गई। घटना का वीडियो अब जिलेभर में वायरल हो रहा है। फिलहाल किसी पक्ष ने मामले की शिकायत नहीं की है।

जानकारी के अनुसार, जिले के कोठी में सोनौर मोड पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने बुधवार को प्रयागराज कुंभ जा रहे श्रद्धालुओं के लिए पोहा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम में राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के आने की सूचना पर सीएमओ को स्थल की साफ-सफाई की व्यवस्था के लिए बुलाया गया था।

हार्डवेयर दुकान में 2 लाख की चोरी, दुकानदार ने बताई 7 लाख

फर्जी जीएसटी बिल से पकड़ाया, चोर और दुकानदार दोनों गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में एक हार्डवेयर दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। दरअसल, चोरी की शिकायत दर्ज कराने वाले दुकानदार ने ही फर्जी जीएसटी बिल पेश कर चोरी की रकम को बढ़ा-चढ़ाकर बताई थी। पुलिस ने चोर के साथ-साथ दुकानदार को भी गिरफ्तार कर लिया है।

दुकानदार ने 2 लाख रुपए की चोरी को फर्जी जीएसटी बिल की मदद से 7 लाख रुपए बताया है। जिसके बाद अब दुकानदार पर भी कानूनी शिकंजा कसा गया है।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौर ने बताया कि लखौरी बाग निवासी ईशा मंसूरी ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी निपनिया इलाके में हार्डवेयर की दुकान है। 24 फरवरी की रात अज्ञात चोर शटर उठाकर काउंटर में रखे 7 लाख रुपए चोरी कर ले गया। मंसूरी ने पुलिस को दो दिन की बिक्री का जीएसटी बिल भी पेश किया था, जिसमें इरशाद आलम नाम के व्यक्ति द्वारा भुगतान किया जाना बताया गया था।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें एक लड़का लाल रंग का झोला लेकर भागता हुआ दिखाई दिया। लड़के की पहचान लकी कोरी के रूप में हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में लकी कोरी ने 2 लाख रुपए चोरी करना कबूल किया। उसने बताया कि उसने चोरी की रकम अपने भाई और बहन की मदद से छुपाई है।

पुलिस को दुकानदार द्वारा बताई गई रकम और चोर द्वारा बताई गई रकम में भारी अंतर नजर आया। पुलिस ने जब जीएसटी बिल की जांच की, तो वह फर्जी निकला। दुकानदार ने गलत लाभ लेने के लिए चोरी की रकम को बढ़ा-चढ़ाकर बताया था। पुलिस ने दुकानदार ईशा मंसूरी को भी गिरफ्तार कर लिया है। दुकानदार के खिलाफ अलग से जांच की जाएगी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब ऑनलाइन होगा जीपीएफका अंतिम भुगतान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय कार्य से सेवानिवृत्त होने पर अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सामान्य भविष्यनिधि खाते जीपीएफकी राशि का भुगतान किया जाता है। इसके अंतिम भुगतान की व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए अब ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की गयी है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को वित्त विभाग के पोर्टल आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर पर ही ई-जीपीएफ के माध्यम से अंतिम भुगतान ऑनलाइन किया जायेगा। इस संबंध में वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश 21 फरवरी 2025 से लागू कर दिये गये हैं।

कलेक्टर ने कहा है कि ई-जीपीएफभुगतान के संबंध में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों और लेखापालों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण ई दक्ष केन्द्र शिल्पी प्लाजा बी-ब्लाक रीवा में तीन और चार मार्च को आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण दो सत्रों में सुबह 11 बजे से एक बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक दिया जायेगा। सभी आहरण संवितरण अधिकारी अपने लेखापाल के साथ प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। जिला कोषालय अधिकारी तथा जिला ई प्रबंधक ई-गवर्नेंस प्रशिक्षण के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करें।

आज से शुरू होगी हाईस्कूल कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा हाईस्कूल कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा 27 फरवरी से आरंभ हो रही हैं। हाईस्कूल की परीक्षा 27 फरवरी से 21 मार्च तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रातः 8 बजे एवं परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.50 बजे उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.55 बजे प्रश्न-पत्र दिए जाएंगे। प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया जायेगा। प्रवेश पत्र में भी फोटो लगाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी यथा संभव पेयजल की बोतल स्वयं लेकर आएं। कक्षा 10वीं के नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की परीक्षा का प्रथम प्रश्न पत्र गुरूवार 27 फरवरी को हिंदी का होगा। शुक्र वार 28 फरवरी को उर्दू तथा शनिवार एक मार्च को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेम वर्क के समस्त विषयों तथा आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का प्रश्न पत्र होगा।

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए पंजीयन जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती हैं। शासन द्वारा वर्तमान वर्ष के लिए गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 20 जनवरी से शुरू है। पंजीयन 31 मार्च तक होगा। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में जिला आपूर्ति नियंत्रक सीबीएस जादौन ने बताया कि रीवा जिले में गेंहू उपार्जन के लिए 58 खरीदी केन्द्र प्रस्तावित किए जा रहे हैं। किसान इन खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं।

महाशिवरात्रि पर चित्रकूट में उमड़े लाखों श्रद्धालु

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में पवित्र स्नान किया। इसके बाद मत गजेंद्र नाथ मंदिर में शिव जी का जलाभिषेक किया। पहाड़ी पर स्थित बालेश्वर नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया। मंदाकिनी स्नान के उपरांत भक्तों ने कामदगिरि की परिक्रमा की। चित्रकूट के साधु-संतों ने भी शाही स्नान किया। शाम को मंदिर से भगवान शिव की बारात निकलेगी। इस बारात में जबलपुर के बंद और प्रयागराज के भूत-पिशाच विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

52वां राष्ट्रीय रामायण मेला शुरू

मप्र के मंत्री बागड़ी ने दीप प्रज्वलित कर किया उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में 52वें राष्ट्रीय रामायण मेले का आगाज हो गया है। मध्य प्रदेश की राज्य मंत्री प्रतिमा बागड़ी ने दीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया द्वारा स्थापित यह मेला प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। मेले में देशभर से कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पहले दिन लखनऊ से जय अरोड़ा, मऊरानीपुर झांसी से रामधनी, मुंबई से अजय मिश्रा और बांदा से श्रद्धा निगम कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी।

मेले के अध्यक्ष प्रिंस द्विवेदी ने बताया कि मेले के साथ विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनियां भी लगाई गई हैं। 2 मार्च को तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य पद्म विभूषण स्वामी रामभद्राचार्य मेले का समापन करेंगे।

महाशिवरात्रि पर सतना के मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

गैवीनाथ धाम में अब तक 40 हजार भक्तों ने किया जलाभिषेक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बिरसिंहपुर स्थित गैवीनाथ धाम में सुबह 5 बजे बाबा की मंगल आरती और विशेष पूजा के साथ दिन की शुरुआत हुई।

गैवीनाथ धाम में खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। यह उज्जैन महाकाल का दूसरा उपलिंग माना जाता है। मान्यता है कि यहां पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार सुबह साढ़े 9 बजे तक करीब 40 हजार भक्त जलाभिषेक कर चुके थे। पिछले वर्ष महाशिवरात्रि पर लगभग 2 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। इस बार भी उतनी ही संख्या में भक्तों के आने की संभावना है।

शहर के जगतदेव तालाब स्थित 150 साल पुराने शिव मंदिर में भी सुबह से भक्तों का तांता लगा है। यहां विशेषकर महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंच रही हैं। पशुपतिनाथ और पन्नीलाल चौक शिव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है। दोपहर बाद विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया है।

महाशिवरात्रि पर मैहर के गोलामठ मंदिर में उमड़ी भीड़, एक पत्थर से बना 11वीं सदी का प्राचीन शिवालय

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के प्राचीन गोलामठ मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। मां शारदा मंदिर मार्ग पर स्थित इस प्राचीन शिवालय में जलाभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।

इस अवसर पर शहर में कई स्थानों पर भंडारे और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। गोलामठ मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एक ही विशाल चट्टान को तराश कर बनाया गया है। मंदिर में हिंदू देवी-देवताओं की अनेक कलाकृतियां उकेरी गई हैं।

कलचुरी वंश के शासकों द्वारा 11वीं शताब्दी में इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि मंदिर निर्माण में प्रयुक्त पत्थर आसपास के क्षेत्र में नहीं पाया जाता। जनश्रुति के अनुसार यह मंदिर एक ही रात में बनाया गया था।

दरवाजे पर खड़ी बच्ची को गाड़ी ने कुचला, मौत

आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया, जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट जिले के रैंपुरा थाना क्षेत्र के बरहट गांव में बुधवार सुबह सड़क हादसा हुआ। कक्षा 6 की छात्रा अर्चना (11) अपने घर के दरवाजे पर खड़ी थी। इसी दौरान राजापुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार तेलंगाना की गाड़ी ने उसे कुचल दिया। हादसे में अर्चना की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक अर्चना प्रमोद कुमार की पुत्री थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी श्याम प्रताप पटेल ने बताया कि पुलिस ने ड्राइवर के साथ गाड़ी को बरामद कर लिया है। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।